(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शुक्रवार, 13 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 238 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ईशा देओल ने फ्लॉन्ट किया....8

भाजपा नेता ने किया दावा, उत्तर प्रदेश सरकार को चला रहे हैं नौकरशाह

बलिया (उप्र)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य एवं पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि राज्य सरकार को नौकरशाह चला रहे हैं तथा जन प्रतिनिधियों से लेकर पार्टी नेताओं को नौकरशाही तवज्जो नहीं देती। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व पूर्व विधायक सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि योगी सरकार को नौकरशाह चला रहे हैं, सरकार में नौकरशाही मंत्रियों तक को तवज्जो नहीं देती। उन्होंने कहा कि पहले मंत्रियों से मुलाकात करने जिला प्रशासन के आला अधिकारियों को आना पड़ता था, अब स्थिति यह है कि मंत्रियों की अधिकारियों से मुलाकात तक नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधि से लेकर पार्टी नेताओं की स्थिति अत्यंत बदतर हो गई है और इनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। इससे पहले सिंह ने आठ अगस्त को तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के चल रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा था कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा नीत केन्द्र सरकार इन कानूनों को वापस ले सकती है।

पूर्व विधायक सिंह ने रविवार रात जिले के नगरा में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा था, ''किसानों की मांगे सही हैं। विधानसभा चुनाव और किसानों में रोष को देखते हुए केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार इन कानूनों को वापस ले सकती है।'' उन्होंने कहा था कि कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शनों के चलते भाजपा के नेता पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गांवों में नहीं जा पा रहे हैं और आने वाले समय में किसान भाजपा के जन प्रतिनिधियों का घेराव भी कर सकते हैं। उन्होंने इजराइल के जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस से कथित तौर पर जासूसी कराने जाने को लेकर संसद में चल रहे गतिरोध को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया था और

कहा था कि लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की मांग पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा,'' यदि विपक्ष चाहता है कि जासूसी कांड की जांच हो तो सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि संसद का सत्र सुचारू रूप से चले।'' सिंह ने कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई तैयारियों पर भी सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि सरकार ने दूसरी लहर से सबक नहीं लिया और मामलों से आगे निपटने के लिए कोई प्रभावी प्रबंध नहीं किए हैं।

इसी वर्ष जून माह में सिंह ने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रबंधन पर सवाल उठाया था। उत्तर प्रदेश में कोविड –19 संकट से निपटने की आलोचना करते हुए, सिंह ने दावा किया था कि दूसरी लहर के दौरान हर गांव में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई क्योंकि पहली लहर से कोई सबक नहीं सीखा गया। उन्होंने कहा था, "कोविड–19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान राज्य के हर गांव से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई," उन्होंने कहा था कि संक्रमण के कारण मरने वालों के परिजनों को 10 लाख रुपये दिए जाने चाहिए। इससे पहले मई माह में, भाजपा के सीतापुर विधायक राकेश राठौर ने राज्य में कथित कोविड –19 कुप्रबंधन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें बोलने पर देशद्रोह के आरोप का डर है। एक वीडियो क्लिप के अनुसार राकेश राठौर ने संवाददाताओं से कहा था कि "विधायकों की क्या स्थिति है? अगर हम बहुत ज्यादा बोलते हैं, तो देशद्रोह के आरोप हम पर भी लगाए जा सकते हैं।

कोविड-19 का टीका लगाने से मना करने वाले कर्मी को भारतीय वायुसेना ने किया बर्खास्त, जानें पूरी

अहमदाबाद। केंद्र सरकार ने गुजरात उच्च न्यायालय को बताया कि भारतीय वायुसेना ने कोविड–19 रोधी टीका लगवाने से मना करने वाले अपने एक कर्मी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। टीका लगवाना सेवा की शर्तों में शामिल किया गया था। अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल देवांग व्यास ने वायुसेना के कॉर्पोरल योगेंद्र कुमार की याचिका पर बुधवार को उच्च न्यायालय को अपने अभिवेदन में यह बताया। उन्होंने न्यायमूर्ति ए जे देसाई और न्यायमूर्ति ए पी ठाकेर की खंड पीठ को बताया

कि पूरे भारत में नौ कर्मियों ने टीका लगवाने से मना किया है और उन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। व्यास ने उच्च न्यायालय को बताया कि इनमें से एक ने नोटिस का जवाब नहीं दिया और उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने बर्खास्त किए गए कर्मी का नाम या अन्य कोई ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए टीका विकल्प है लेकिन जहां तक बात वायु सेना की है तो इसे अब सेवा की एक शर्त बना दिया गया है जो सेवा में शामिल होने के वक्त ली गई शपथ के क्रम में है। उन्होंने अदालत से कहा कि यह भी देखना जरूरी है कि बल को कमजोर स्थिति में नहीं रखा जाए और कर्मियों को अनिवार्य रूप से टीका लगवाना जरूरी है। व्यास ने यह भी कहा कि चूंकि कोर्पोरल योगेंद्र कुमार ने कारण बताओ नोटिस पर जवाब दिया है इसलिए वह किसी उचित अधिकरण या सशस्त्र बल प्राधिकरण के समक्ष पेश हो सकते हैं। कोविड–19 का टीका लगाने की अनिच्छा के बाद जारी नोटिस को चुनौती देने वाली कुमार की याचिका पर उच्च न्यायालय ने बुधवार को वायु सेना को उनके मामले पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। अदालत ने टीकाकरण के लिए अनिच्छुक याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत दी और उसके मामले पर वायु सेना द्वारा विचार किए जाने तक उसे सेवा में रहने देने का आदेश देकर उसकी याचिका का निपटान किया।

ट्विटर के एक्शन पर कांग्रेसियों का रिएक्शन, पार्टी नेताओं ने प्रोफाइल पर लगाई राहुल की तस्वीर

नयी दिल्ली। कांग्रेस और ट्विटर के बीच में विवाद बढ़ता जा रहा है। आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या मामले में पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की थी। जिसके बाद राहुल गांधी ने मुलाकात से जुड़ी हुई कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर पोस्ट की थी।

बता दें कि राहुल गांधी का अकाउंट शनिवार को ट्विटर ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था और गुरुवार को कांग्रेस का अकाउंट भी लॉक कर दिया गया। जिसके बाद गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सभी अकाउंट की प्रोफाइल फोटो बदलकर एकजुटता की मिसाल पेश की। दरअसल, कांग्रेस से

जुड़े हुए तकरीबन सभी लोगों ने अपनी प्रोफाइल फोटो में राहुल गांधी की तस्वीर लगाई है। वहीं भारतीय युवा कांग्रेस के प्रमुख बीवी श्रीनिवास ने अपने अकाउंट का नाम भी बदल दिया है। उन्होंने अपने अकाउंट का नाम राहुल गांधी कर दिया। आपको बता दें कि कांग्रेस ने दावा किया है कि उनके 5 हजार से ज्यादा ट्विटर अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है। श्रीनिवास ने ट्विटर बैन से डर गया हैशटैग के साथ ट्वीट किया कि तुम्हारी हर श्दादागिरीश का जवाब श्गांधी–गिरीश से हम देते रहेंगे, तुम्हे जिस चेहरे से सबसे ज्यादा डर लगता है, वही बनकर, जनता की आवाज बनते रहेंगे।

गृह सचिव बने रहेंगे अजय कुमार भल्ला, सरकार ने बढ़ाया एक साल का कार्यकाल

केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की सेवा को एक साल

का विस्तार दिया है। अजय कुमार भल्ला एक साल और अपने पद पर बने रहेंगे। अजय कुमार भल्ला का कार्यकाल 22 अगस्त 2021 को समाप्त होने वाला था। भल्ला अगस्त 2019 में केंद्रीय गृह सचिव के तौर पर नियुक्त हुए थे। आपको बता दें कि अजय कुमार भल्ला 1984 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के असम–मेघालय कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। अजय कुमार भल्ला ऊर्जा मंत्रालय में भी सचिव रह चुके हैं। गृह सचिव की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह गृह मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी थे। कोरोना महामारी के दौरान अजय कुमार भल्ला ने खूब सक्रियता दिखाई है। वह लगातार राज्यों से संपर्क में रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला, आतंकवादियों ने की गोलीबारी

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के काफिले पर गोलीबारी की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ का काफिला जम्मू से श्रीनगर जा रहा था

जब उस पर हमला हुआ। एक अधिकारी ने कहा, "कुलगाम जिले में काजीगुंड क्षेत्र के मालपोरा में जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आतंकवादियों ने बीएसएफ के काफिले पर गोलीबारी की।" पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन आतंकवादियों कोघेर लिया गया है। कश्मीर परिक्षेत्र की पुलिस ने आईजी विजय कुमार के हवाले से कहा, "आतंकवादियों ने एनएचडब्ल्यू कुलगाम पर बीएसएफ काफिले पर गोलीबारी की। किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आतंकवादी घिर गए हैं।" प्रवक्ता ने कहा कि घटनास्थल पर और सुरक्षा कर्मी पहुंच गए हैं तथा पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

विपक्षियों के आरोपों के बीच 7 केंद्रीय मंत्रियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोले- कांग्रेस को लगता है मोदी जी ने उनसे सीट छीन ली

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र समाप्त हो चुका है लेकिन अंतिम दिन की घटना को लेकर विपक्षी ने सरकार पर कई आरोप लगाए थे। जिसके बाद 6 केंद्रीय मंत्रियों ने मिलकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सभी आरोपों का जवाब दिया। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि विपक्ष की तमाम मांगे मानी गई लेकिन फिर भी सदन नहीं चलने दिया गया।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कल से एक दिन पहले (संसद में) कुछ सांसद मेजों पर चढ़ गए। वे अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगा कि उन्होंने कुछ

अच्छा किया है। उन्होंने इसका वीडियो शूट करने के बाद ट्वीट किया। जबकि वीडियो शूटिंग करने की अनुमति नहीं होती।

कांग्रेस पर बरसे प्रह्लाद जोशी

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस और उसकी मित्र पार्टियों ने पहले से ये तय कर लिया था कि हम इस बार संसद नहीं चलने देंगे। उन्होंने मंत्रियों का परिचय नहीं होने दिया, उन्होंने महत्वपूर्ण बिलों पर भी चर्चा नहीं होने दी।

उन्होंने कहा कि साढ़े सात साल भी वो (विपक्ष) जनादेश स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। खासकर कांग्रेस को ऐसा लगता है कि ये हमारी सीट थी और इसे मोदी जी ने आकर छीन लिया। उनकी घ्इसी मानसिकता की वजह से ऐसी चीजें हो रही हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोग संसद में अपने मुद्दों को उठाए जाने का इंतजार करते हैं। जबकि अराजकता विपक्ष का एजेंडा रहा। उन्हें लोगों, करदाताओं के पैसे की परवाह नहीं थी। जो हुआ वह निंदनीय था। घड़ियाली आंसू बहाने के बजाय देश से माफी मांगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को नए मंत्रियों का परिचय तक कराने का भी मौका नहीं दिया गया। इतना ही नहीं उन्होंने ने तो नए मंत्रियों को राज्यसभा में बहस सुनने की नसीहत भी दी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस सत्र में हमने लगातार बहुत ही दुखद और शर्मनाक घटनाएं देखीं। पूरे विपक्ष की मंशा शुरू से सदन की गरिमा गिराने और सत्र को नहीं चलने देने की रही। ओबीसी संविधान संशोधन विधेयक में भी शायद एक राजनीतिक मजबूरी में उन्होंने सदन को चलने दिया।

अपनी चाल से बाज नहीं आ रहा चीन, भारत को लद्दाख में उलझाकर खुद को हिंद महासागर में कर रहा मजबूत

पिछले कुछ सालों से भारत और चीन के रिश्ते सामान्य नहीं है। भले ही दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और राजनैतिक बातचीत जारी है लेकिन गतिरोध को लेकर अब तक कोई हल नहीं निकल सका है। पिछले साल मई–जून में भारत और चीन की सेना लद्दाख में आमने–सामने हो गई थी। चीन लगातार अपनी विस्तार वादी नीति को बढ़ाने की कोशिश में है। वह भारत के कई हिस्सों पर लगातार अपना दावा करता है। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर चीन भारत से चाहता क्या है? कुछ विशेषज्ञों की माने तो उनका दावा है कि चीन भारत को लद्दाख में उलझाकर खुद को हिंद महासागर में मजबूत कर रहा है। लद्दाख के 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स में से एक गोगरा पोस्ट से फेस ऑफ की स्थिति को कम करने के लिए चीन के साथ एक समझौते की स्थिति में भारत पहुंच गया है। हालांकि अब तक चीन की ओर से कोई अधिकारिक बयान इस पर नहीं आया है। लद्दाख में चीन के साथ बढ़े गतिरोध के बाद भारत ने क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इस क्षेत्र में मिलिट्री एसेट्स को लेकर बड़ा खर्च आया है। भारत सरकार अतिरिक्त हथियार, गोला–बारूद और लॉजिस्टिक आइटम खरीद रही है। दूसरी ओर रक्षा विशेषज्ञों का यह मानना है कि हिंद महासागर में भारत के प्रभुत्व को चीन लगातार कम करने की कोशिश कर रहा है। यही कारण है कि चीन लगातार भारत को लद्दाख में उलझाकर

रखा हुआ है। लद्दाख के जरिए चीन लगातार भारत पर दबाव बनाता रहेगा। इसके साथ–साथ हथियार की खरीदारी में भारत ज्यादा शामिल रहेगा जिससे कि यहां की अर्थव्यवस्था भी दबाव में रहेगी। चीन अपनी नौसेना में हर साल 20 से 25 युद्धपोत और पनडुबियां जोड़ रहा है जो कि भारतीय नौसेना की तुलना में अधिक भार वाले जहाज है। इसके साथ–साथ वह हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने की कोशिश में है। एक रक्षा विशेषज्ञ के मुताबिक आने वाले 10 सालों में चीन एक स्थाई युद्ध वाहक हिंद महासागर में तैनात कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूनएनएससी) की खुली चर्चा के बाद, भारत के अध्यक्षीय वक्तव्य में चीन को कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट रूप से इस बात की पुष्टि की गई है कि 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन में सामुद्रिक गतिविधियों के लिए कानूनी ढांचा निर्धारित किया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने एक वीडियो संदेश में कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री सुरक्षा पर हुई उच्चस्तरीय बैठक कई मायनों में ऐतिहासिक रही। तिरुमूर्ति ने कहा, सुरक्षा परिषद की इस बैठक में पहली बार समुद्री सुरक्षा की समग्र अवधारणा पर अध्यक्षीय वक्तव्य को स्वीकार किया गया है।

इस वक्तव्य में समुद्री डकैती, सशस्त्र लूट और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के उल्लेख के अलावा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 1982 का संयुक्त राष्ट्र का सम्मेलन सामुद्रिक गतिविधियों के लिए कानूनी ढांचा निर्धारित करता है। पंद्रह देशों के निकाय द्वारा सर्वसम्मति से अपनाए गए अध्यक्षीय वक्तव्य (पीआरएसटी) में सुरक्षा परिषद ने पुष्टि की है कि 10 दिसंबर 1982 को अमेरिका में हुए संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) में परिलक्षित अंतरराष्ट्रीय कानून समुद्री गतिविधियों पर लागू होने वाले कानूनी ढांचे को निर्धारित करता है। भारत के इस अध्यक्षीय वक्तव्य को सुरक्षा परिषद द्वारा अपनाए जाने को चीन के लिये कड़ा संदेश माना जा रहा है, जो दक्षिण चीन सागर समेत विभिन्न समुद्री क्षेत्रों पर अपना दावा जताता रहा है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भी अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। इससे पहले, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय खुली परिचर्चा की अध्यक्षता की थी। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत विवादों के शांतिपूर्ण समाधान समेत समावेशी समुद्री सुरक्षा रणनीति के लिए पांच सिद्धांत पेश किये।

अस्पताल में प्रसूता महिलाओं के,भोजन नाश्ते पर जिम्मेदार डाल रहे डाका, आपूर्ति ठप

गोण्डा। सरकार की महत्वकांक्षी जननी सुरक्षा योजना को विभागीय अधिकारी और कैंटीन मालिक मिलकर चूना लगा रहे हैं। सीएचसी पर बने संस्थागत प्रसव केंद्र पर भर्ती होने वाली मां की आहार को भी वह डकार रहे हैं। सरकार के निर्धारित डायट के अनुसार मिलने वाला भोजन और नाश्ता कभी भी इनको नहीं मिला। अब तो हालात यह है हो गए हैं कि महीनों से पूरी तरह बंद पड़ी इस योजना के बारे में ठीक से कोई बताने वाला भी नहीं है। आपको बता दें, कि जननी सुरक्षा योजना में प्रसूता को सीएचसी में प्रसव के लिए भर्ती होने पर निःशुल्क भोजन और नाश्ते की व्यवस्था है। जिसके लिए बाकायदा टेंडर निकालकर पंजीकृत फार्म को निर्धारित दर के अनुरूप भोजन, फल, दूध व अंडे देना होता है। सामान्य प्रसव में दो दिन और ऑपरेशन के मामले में पांच दिन तक प्रसूता को नियमित तौर पर भोजन और नाश्ता देने की व्यवस्था बनाई गई है। शासन के निर्देश तो यह भी हैं, कि किसी भी सीएचसी पर किन्ही कारणों से टेंडर नहीं हुआ या संबंधित जिम्मेदार ने हाथ खड़े कर लिए, तो भेज सीएससी के चिकित्सा अधीक्षक को वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए, दो पैकेट दूध, फल, अंडे, ब्रांडेड ब्रेड हुआ 20 ग्राम मक्खन हर प्रसूता को सीएचसी में भर्ती रहने तक देना होगा। मगर इस योजना में कभी भी निर्धारित मानक के अनुरूप भोजन व नाश्ता प्रसूता को नहीं मिला।बेलवा बहुता की सुशीला भी अपने बहू को सीएचसी में 10 अगस्त की देर रात भर्ती कराया। इसी तरह बसंतपुर राजा की साबिरा ने पड़ोसी महिला को डिलीवरी के लिए भर्ती कराया और लड़की पैदा हुई। परसिया गूदर गांव की महिला सोनम सीएचसी में भर्ती हुई और यह भी मां बन गई, लेकिन किसी को भी योजना में न नाश्ता मिला सका और ना ही भोजन। मौके पर मौजूद आशा कार्यकर्ती की अगर मानें, तो इस योजना का कोई पुरसाहाल नहीं है। विभागीय व विश्वस्त सूत्रों की बातों पर अगर यकीन करें, तो योजना में हर माह करीब सैकड़ों प्रसूताओं को मिलने वाले भोजन और नाश्ते के लाखों रुपए कैंटीन मालिक व विभागीय जिम्मेदार डकार रहे हैं। इस संदर्भ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर एस केसरी से जब पूछा गया, तो उन्होंने आश्वस्त किया मामले को दिखाकर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

करोड़ो की भूमि का फर्जी अंकना करवाने वाले पर कार्यवाई की तलवार लटकी

करनैलगंज(गोंडा)। फर्जी तरीके से बिना किसी आदेश के मतरुक खाते का फर्जी अंकना कराकर एक करोड़ की जमीन भी बेंच दी गई। अब आंकना करने व कराने वाले लोगों पर कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है। जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी ने फर्जी प्रविष्टि निरस्त कराकर मामले में संलिप्त लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने का आदेश तहसीलदार को दिया है। जिसमें तत्कालीन लेखपाल व राजस्व अधिकारियों समेत कई लोग अब फंस गए हैं। मामला विकास खंड करनैलगंज अंतर्गत ग्राम पिपरी से जुड़ा है। यहां कुछ सरकारी भूमि बंदोबस्त में मतरुक हो गई थी। जो करीब 100 वर्षों से किसी के नाम दर्ज नही थी। जिसे भूमाफियाओं ने राजस्व कर्मियों से मिलकर मतरुक भूमि का नया गाटा संख्या 400 बनवाकर अपने नाम दर्ज कागजात करवा लिया। जिसकी किसी को भनक तक नही लगी। उसके बाद एक करोड़ से अधिक कीमत पर बिक्री कर दिया गया, जिसमें प्लाटिंग का कार्य शुरू हुआ। प्लाट की खरीद फरोख्त में मामला खुलने लगा। बताया करते हुये कार्रवाई करने का जाता है कि उस समय शिकायत निर्देश दिया गया है।

वैज्ञानिक तरीके से ही करें खेती, तकनीकी जानकारी देगा कृषि विवि

कृषि विवि में औषधीय एवं सगंध पौध में उद्यमिता पर कार्यशाला प्रारंभ

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के अंतर्गत् उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा मिशन एकीकृत उद्यानिकी विकास योजना, सुपारी एवं मसाला, विकास निदेशालय द्वारा वित्त पोषित जिला स्तरीय सेमिनार औषधीय एवं सगंध पौधों में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां विषयक पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में .दिनांक 11ध्08ध् 2021 से सेमिनार एवं किसानों को प्रशिक्षित किए जाने का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सर्वप्रथम डॉ सिंह ने अपने उद्बोधन में सेमिनारध् प्रशिक्षण में भाग ले रहे समस्त किसानों का स्वागत करते हुए औषधीय एवं सगंध पौधों में उद्यमिता के विकास, संभावनाओं एवं चुनौतियों पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान भाई यदि इस क्षेत्र में कार्य करें तो जहां किसानों की औसत जोत निरंतर कम होती जा रही है, वहीं इसके लिए निष्प्रयोज भूमि जैसे खेत के मेड़ ,तालाब का बंधा या नाले के किनारे पर यदि किसान भाई इसकी खेती करते हैं तो अतिरिक्त लाभ अर्जित कर अपनी आमदनी दोगुनी कर सकते हैं। खेती वैज्ञानिक तरीके से ही करें, आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय द्वारा आपको समय–समय पर तकनीकी जानकारी एवं सुविधा प्रदान की जाएगी । कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि द्वारा मसाला एवं सौगंध पौध में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां पर परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ मिश्रा द्वारा रचित पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर उद्यान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ ओ पी राव द्वारा मुख्य अतिथि एवं किसानों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सेमिनार विषयक पर चर्चा की एवं मसाला एवं सगंध उत्पादों की बिक्री हेतु स्थानों की जानकारी एवं किसानों की समस्याओं के निराकरण के समाधान किए जाने की बात कही। साथ ही किसानों को छोटे–छोटे कुटीर उद्योग जैसे लोशन, क्रीम, जूस , अगरबत्ती इत्यादि बनाने का उद्योग स्थापित कर अपने आय में वृद्धि कर सकने की सलाह दी। परियोजना के मुख्य अन्वेषक द्वारा किसानों का पारंपरिक खेती के साथ–साथ मसाला एवं सगंध पौधों की जैविक खेती किए जाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए विस्तृत जानकारी दी । प्रशिक्षण के प्रथम तकनीकी सत्र में सीएसआईआर (सीमैप) के अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक डॉ राकेश पांडे एवं डॉ रमेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां पर विशेष रूप से चर्चा की गई एवं उनके द्वारा किसान भाइयों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देकर संतुष्ट किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ संजय पाठक द्वारा किसानों के लिए आय का उत्तम स्रोत, डॉ साधना सिंह ने मसाला व्यवसाय से लाभ कमाने के गुण एवं डॉ संजय कुमार वर्मा द्वारा सिट्रोनेला से आय अर्जन करने के तरीकों से अवगत कराते हुए जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, कुलसचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक,कुलपति के सचिव,कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं फैजाबाद, सुल्तानपुर,अमेठी एवं बाराबंकी के 115 किसानों का निःशुल्क पंजीकरण कर , संबंधित कार्यक्रम विषयक पर प्रकाशित पुस्तक आदि अभिलेखों का वितरण किया गया। तकनीकी सत्र के उपरांत सायंकाल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ चंद्र मोहन ओझा, टी पी सिंह एवं शेषमणि श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षु किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया गया एवं तकनीकी जानकारी दी गई।

दो वाहनों के आमने–सामने हुई भिड़ंत तीन लोग घायल एक की हालत गंभीर

मोतीगंज।गोण्डा। नवाबगंज गोण्डा मार्ग पर दो वाहनों के आमने–सामने भिड़ंत में तीन लोग घायलों में एक की हालत गंभीर। दर्जी कुआं चौकी प्रभारी मानेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही हमराही कांस्टेबल निशार सिंह राणा, रजीत, राघवेन्द्र, महेंद्र पटेल घटना स्थल पर पहुंचे उन्होंने बताया कि नवाबगंज गोण्डा मार्ग पर रानिया गांव के निकट दो वाहनों के आमने–सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें वाहन चालक पृथ्वी पुत्र निबरे दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया वह जमुनिया बाग बाजार मोटरसाइकिल का मिस्त्री है। जो गंभीर रूप से घायल हो गया उसे एक निजी वाहन से इलाज के लिए पुलिस के साथ उसे भिजवाया गया।घायल पृथ्वी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से दर्जी कुआ आ रहा था। की सामने से देहात कोतवाली क्षेत्र के महदेइया गांव निवासी विनोद पुत्र राम चनदर व बच्चा राम पुत्र श्याम पाल अपने वाहन से गोण्डा की तरफ जा रहा था।कि रानिया पुर के पास पहुंचते हैं दोनों वाहनों कि आमने–सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें विनोद व बच्चा राम को मामूली चोटें आई। जिन्हें पड़ोस में ही निजी चिकित्सक से इलाज कराने के बाद घर भेज दिया गया।

गोण्डा में थोक में लोग पहली बार गायब मोबाइल वापस पाकर हुए खुश

गोण्डा। जिले में पुलिस को कामयाबी मिली है बीते एक वर्षो में लोगो के गायब हुए 61 लोगो के मोबाइल को बरामद कर मोबाइल स्वामियों को पुलिस अधीक्षक ने उपलब्ध करा दिया है।अलग अलग स्थानों से अलग अलग लोगो के बीते एक वर्षो में गायब हुए थे जिसकी सूचना लोगो द्वारा दर्ज कराया था जिन्हें बरामद करने के लिए पुलिस अधीक्षक ने सर्विलांसध्एसओजी टीम को खोये हुए 07 लाख कीमत के 51 मोबाइलों को बरामद करने का निर्देश दिया गया था जिसके परिपेक्ष्य में सर्विलांस टीम ने खोये हुए प्रत्येक मोबाइल की लगातार ट्रैकिंग की गयी तथा ट्रेस होने पर एसओजी टीम द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों से मोबाइलों को बरामद किया गया। सर्विलांस व एसओजी टीम द्वारा खोये हुए मोबाइलो की बरामदगी के लिए किये गए प्रयासों के फलस्वरूप कुल–51 खोये हुए विभिन्न कम्पनियों जैसे–वीवों,रेडमी,ओप्पो,सैमसंग रियलमी आदि मोबाइल बराम करने पर पुलिस अधीक्षक ने उनके स्वामियो को बुलाकर सुपुर्द किया। साथ ही मोबाइल को बरामद करने वाली सर्विलांसध्एसओजी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की है।

तंजौर शैली में भगवान श्रीराम की भव्य मूर्ति किया निर्मित

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के फाईन आर्ट्स संस्थान एवं अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे चल रही राष्ट्रीय ऑयल पेन्टिंग कार्यशाला के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं ने दक्षिण भारतीय तंजौर शैली में भगवान श्रीराम की भव्य 6 गणे 4 फिट की सिरेमिक म्यूरल मूर्तिशिल्प को निर्मित किया। इसमें मीना, प्रीती, अमित, रोहन, शिल्पी, वैष्णवी मौर्या, अरीबा खान, आनन्द कुमार वर्मा, प्रेम लता, सत्यम गुप्ता, अभिषेक पटेल, बृजेश कौशल, विमल सिंह, कविता कुमारी, अकांशा चौधरी, करिश्मा एवं दीपा का सराहनीय योगदान रहा। कार्यशाला की संयोजिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया की दक्षिण भारतीय प्रान्त में प्रभु श्रीराम की पूजा भी अराध्य के रूप में की जाती हैं। वहाँ की तंजौर शैली विश्वविख्यात हैं जिसके विभिन्न आयामो से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया गया। कार्यशाला की अयोजन सचित विभाग की पल्लवी सोनी ने तंजौर शैली को तकनीकी बारीकियों से जिसमें राम के मूर्तिशिल्प को गोल्डन रंग से अलंकृत करने के पद्धतियों एवं महत्व से छात्र–छात्राओं का ज्ञान वर्धन किया। फाईन आर्ट्स विभाग के समन्वयक प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि म्यूरल पेन्टिग कार्यशाला के अन्तर्गत अयोध्या के पौराणिक मन्दिरों के जीर्णोधार के लिए उत्तर–प्रदेश शासन तथा विश्वविद्यालय के सहयोग से एक कार्ययोजना तैयार की जा रही है जिसे कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के कुशल निर्देशन में सौन्दर्यीकरण के दूसरे चरण में छात्र–छात्राओं द्वारा उकेरित किया जायेगा जोकि अयोध्या भ्रमण करने वाले पर्यटको को अवश्य रोमांचित करेगा। अयोध्या के सौन्दर्यीकरण से सम्बंधित पेन्टिग कार्यशाला के दौरान डॉ0 अलका श्रीवास्तव, सुश्री रीमा सिंह, कर्मचारियों में विजय कुमार शुक्ला, शिव शंकर यादव, कुशाग्र पाण्डेय सहित अन्य लोगो ने छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

समाजवादी पार्टी के पक्ष में चल रही लहर, कार्यकर्ता रहें एकजुटः अनीस राजा

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैंठक

अयोध्या। समाजवादी पार्टी ने आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां और तेज कर दी है। इसी क्रम में आज समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा व सचिव और जनपद के प्रभारी हनुमान कनौजिया ने पार्टी कार्यालय पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की और आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। पार्टी कार्यालय पर आयोजित इस बैठक में श्री राजा ने कहा कि अब समय आ गया है कि कार्यकर्ता एकजुट होकर आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों में पूरी तरह से जुट जाएं, समाजवादी पार्टी के पक्ष में लहर चल रही है ऐसे में इस बार सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को मजबूत करने के लिए अभी से ही तैयारियां करनी होंगी इसके साथ ही बड़ी तादाद में नौजवानों को पार्टी में शामिल करके विजय पताका लहराना समाजवादी पार्टी का ध्येय होना चाहिए। प्रभारी प्रदेश सचिव हनुमान कनौजिया ने कहा कि कार्यकर्ता जब जनता के बीच जाएं तो उन्हें अखिलेश यादव की सरकार के समय में किए गए कार्यों को बताना ना भूलें, सपा ने अपने शासनकाल में इतने ऐतिहासिक कार्य कराए हैं जिसका फीता अभी तक योगी सरकार काट रही है। पार्टी के जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने इस मौके पर कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए आज समीक्षा बैठक में कार्यकर्ताओं को जिले की पांचों विधानसभा सीटों को जिताने का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है। पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज पार्टी कार्यालय पर पहुंचे यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीश राजा का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। अयोध्या जनपद की सीमा में दर्जनों जगह जोरदार स्वागत हुआ इस मौके पर श्री राजा ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए अभी से जुट जाने का निर्देश दिया पार्टी कार्यालय तमाम नौजवानों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण कराई।

कार्यक्रम के आयोजक व अध्यक्षता समाजवादी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष शोएब खान व संचालन संदीप यादव सनी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सपा जिला महासचिव बख्तियार खान, उपाध्यक्ष बाबू राम गौड़, प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव, पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इंद्रपाल यादव, महिला सभा महानगर अध्यक्ष सरोज यादव, वरिष्ठ नेता विजय बहादुर वर्मा, जगतनाथ पाल, पार्षद हाजी असद अहमद, वसी हैदर गुड्डू, मनजीत यादव, दीपक यादव राधे, विशाल मणि यादव रिक्की, भानु यादव, जुनैद खान, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष त्रिभुवन प्रजापति, छात्रनेता मोहित यादव, युवजनसभा महासचिव शारिब हुसैन, जिला सचिव रोली यादव, शादमान खान, मो. आशिब चांद, शहबाज लकी, यश वर्मा, विशाल यादव, अल्ताफ, इमरान, सौरभ यादव, सनी यादव, अनुज यादव, महमूद खान, विजय भान यादव, अरुण यादव, अनुभव यादव, शिवांशु तिवारी, संजय यादव, महिला सभा जिलाध्यक्ष सुनीता श्रीवास्तव, सबिता महरोत्रा, ऊषा गुप्ता, सीमा मौर्या, उर्मिला गौड़, पुष्पा रावत, राज कुमारी, रविन्द्र वर्मा, रविन्द्र पाल प्रदुम्न मौर्य, जितेंद्र वर्मा शोभाराम, सलमान सिद्दीकी, ईसा कुरैसी, दुर्गेश यादव, पवन यादव, मिस्बाहुल हक आदि लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध रूप से फांसी पर लटकती हुई महिला की लाश

गोण्डा। संदिग्ध रूप से फांसी पर लटकती हुई महिला की लाश मिलने से गांव में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है । कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पाल्हापुर के मजरा चंद्रभानपुर में 48 वर्षीय गुलाबा पत्नी जितेंद्र फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी बृजेश कुमार गुप्ता ने शव को फांसी के फंदे से उतारवा कर लोगो से पूंछ तांछ की । घटना स्थल पर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह पहुचकर मृतका के परिजनों से मामले की पूछताछ शुरू की । चौकी प्रभारी चचरी बृजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि , मृतिका के बच्चों के बीच में आपसी विवाद के चलते नाराज गुलाबा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुरु नरहरि दास आश्रम के गोस्वामी तुलसीदास मंदिर की बिजली कटी

करनैलगंज(गोंडा)। करनैलगंज क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पसका संगम घाट के निकट स्थित गुरु नरहरि दास आश्रम के गोस्वामी तुलसीदास मंदिर की बिजली को बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिना किसी सूचना के ही काट दिया। करीब एक हफ्ते से मंदिर में अंधेरा छाया हुआ है। जबकि बिजली विभाग के एक्सईएन के आदेश के बावजूद भी बिजली नहीं जोड़ी गई। लाखों लोगों की आस्था से जुड़ा गुरु नरहरि दास गोस्वामी तुलसीदास मंदिर में करीब 20 वर्ष पहले बिजली किया की लाइन विभाग द्वारा जोड़ी गई थी। जिसे एक सप्ताह पूर्व परसपुर विद्युत उपकेंद्र के जेई ने अपने कर्मचारियों के संग मिलकर कनेक्शन को काट दिया। जबकि धार्मिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था के लिए बिजली नहीं काटी जानी चाहिए। उसके बावजूद भी बिजली विभाग के कर्मचारियों ने कनेक्शन काट दिया और एक सप्ताह के भीतर दो बार एक्सईएन करनैलगंज द्वारा परसपुर के बिजली कर्मचारियों को मंदिर के बिजली व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए गए। उसके बावजूद भीतक लाइन नहीं जोड़ी गई।

जिलाधिकारी ने केक काटकर मनाया नवजात बालिकाओं का जन्मदिन

गोण्डा।मिशन शक्ति के तीसरे चरण के क्रम में जिला महिला चिकित्सालय में नवजात बच्चियों का जन्मोत्सव भव्यता के साथ मनाया गया। जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने महिला पहुंचकर केक काटकर नवजात बच्चियों का जन्मदिन मनाया तथा उनके परिजनों को बेबी किट प्रदान किया। इस अवसर पर 40 नवजात बालिकाओं की माताओं को बेबी किट दिया गया। साथ ही केक व लड्डू से उनका मुंह मीठा कराया गया। बताते चलें कि महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में प्रदेश में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान एव स्वावलम्बन के लिए ''मिशन शक्ति'' के अन्तर्गत माह अगस्त से दिसम्बर 2021 तक विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार संबंधित विभागों द्वारा गतिविधियों कराये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। जिसके क्रम में महिला एवं बाल किवास द्वारा मिशन शक्ति के तीसरे चरण में कन्या जन्मोत्सव आयोजित किया गया।

21वीं सदी शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी युग से जाना जायेगाः प्रो. रविशंकर सिंह

एनईपी–2020: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया युग विषय पर दो दिवसीय वेबिनार का हुआ समापन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के टीचर्स ट्रेनिंग सेल एवं इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल द्वारा "एनईपी–2020: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया युग" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का समापन किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज के संकायाध्यक्ष प्रो0 पी0के0 वाजपेयी ने कहा कि भारत की नई शिक्षा नीति को शैक्षणिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। यह शिक्षा नीति हमें भारतीयता की ओर ले जाती है। यह 21वीं सदी की चुनौतियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करने वाली और विश्वभर को नई दिशा देती है। प्रो0 वाजपेयी ने कहा कि नई शिक्षा नीति सांस्कृतिक व वैचारिक क्रांति जैसी दिखती है। निश्चित ही यह शिक्षा नीति राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देगी। उन्होंने कहा कि भारत में धर्म, ज्ञान और संस्कृति का त्रिपुण्ड है जो हमें आगे ले जाने सक्षम है। भारत में संस्कृति और शिक्षा को अलग नही देख सकते हैं। धर्म से संचालित शिक्षा मानव में ऐसे गुणों का विकास करती है, जो विश्व को कुटुंब के रूप में मानें। आगे प्रो0 वाजपेयी ने कहा कि अभी तक नई शिक्षा के सम्बन्ध में विरोध के स्वर कहीं दिखाई नही दिए, लेकिन इतना पर्याप्त नही है। यदि इसका नियोजन बेहतर है तो सभी शिक्षण संस्थानों को इसके क्रियान्वयन में सतकर्ता एवं ईमानदारी बरतनी होगी। वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि 21वीं सदी शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी युग के नाम से जानी जायेगी। इसने कई कार्य को आसान कर दिया है। इसके प्रभाव को शिक्षा के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में देखा जा सकता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान में तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। खासकर उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीक के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसका व्यापक उपयोग किया जा रहा है। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षा में तकनीक के उपयोग से भाषाओं की बाधा को दूर करने का प्रयास किया गया है। वर्तमान महामारी ने वर्चुअल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। इससे छात्रों एवं शिक्षकों को पारंपरिक शिक्षण और शिक्षण तकनीकों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए शिक्षा के दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक आवश्यक उपकरण है। विश्वविद्यालय एनईपी टास्क फोर्स के अतिरिक्त संयोजक प्रो0 एसएस मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में गुणवत्ता पर जोर दिया गया है। इसके अवधारणा में ही कहा गया है कि समान पाठ्यक्रम एवं सबकों शिक्षा मिले। विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी–2020 को लागू कर दिया गया है। यहां के विद्यार्थी अपने पसन्द के विषय के साथ अन्य विषयों में भी पढ़ाई कर सकेगे। विवि आईक्यूएसी की निदेशक प्रो0 नीलम पाठक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार की रिर्पोटियर प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती वंदना एवं कुलगीत की प्रस्तुति के साथ किया गया। तकनीकी सहयोग इंजीनियर पारितोष त्रिपाठी एवं राजीव कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 पाठक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी चयन कुमार मिश्र, एनईनी के संयोजक प्रो0 एसएन शुक्ल, प्रो0 आर0के तिवारी, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 के0के वर्मा, प्रो0 गंगाराम मिश्र, डॉ0 नीलम यादव, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 अनिल मिश्र, डॉ0 प्रत्याशा मिश्रा, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अर्जुन सिंह, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, इंजीनियर विनीत सिंह, इंजीनियर शिक्षा जैन, आलोक तिवारी, गायत्री वर्मा, डॉ0 निमिष मिश्र सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी भेजे गये जेल

गोसाईगंज–अयोध्या। कोतवाली पुलिस ने नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने के मामले आरोपी दो आरोपितो को गिरफ्तार कर पास्को ऐक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया। एसएचओ कृष्णकुमार मिश्रा के मुताबिक इलाके के बेलवारी खान गाँव के निवासी शुभम विश्वकर्मा पुत्र संतोष विश्वकर्मा व शिवम विश्वकर्मा पुत्र अमरनाथ विश्वकर्मा पर गाँव के ही एक नाबालिग बालिका ने छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। पीडिता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्जकर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। सुबह टाउन इंचार्ज सुनीलसिंह यादव सिपाही मनोज यादव व अंकित पांडे की टीम ने आरोपियों को पूर्वी रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया।

आदर्श नगर पंचायत डुमरियागंज में आपका स्वागत है

नगर पंचायत के वार्ड डूब रहें कीचड व पानी में, साफ सफाई व्यवस्था ध्वस्थ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। पिछले कुछ समय से हो रही बारिश ने आदर्श नगर पंचायत डुमरियागंज की पोल खोल कर रख दी है। डुमरियागंज के कई वार्डों में कहीं घर में पानी घुस गया है तो कहीं संपर्क मार्गों का हाल तालाब जैसा दिख रहा है। हैरानी की बात तो ये है कि डुमरियागंज को नगर पंचायत का दर्जा मिले भी 10 साल से ज्यादा हो गया लेकिन नगर वासियों को मिलने वाली इस मूलभूत सुविधा को देने में भी आदर्श नगर पंचायत डुमरियागंज फेल साबित हुआ है। पानी निकासी के लिए जिन नालियों का निर्माण हुआ उनमें से कुछ तो समय से पहले ही जर्जर हो गयीं और जो बचीं उनमे भरे कूड़े करकट ने जल निकासी की व्यवस्था को और खराब कर दिया। उच्चाधिकारीयों से बात करने पर सिर्फ एक ही जवाब मिलता है। कि जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा। ये बात नगर वासी पिछले 10 वर्षों से सुनते आ रहे हैं। डुमरियागंज, नगर पंचायत से आदर्श नगर पंचायत भी बना, लेकिन जल निकासी की समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्ड नम्बर 15 का ये फोटो सिर्फ नगर पंचायत की लापरवाही को ही नहीं दिखाता है बल्कि ये भी बता रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को सम्बोधित कर लें नगर

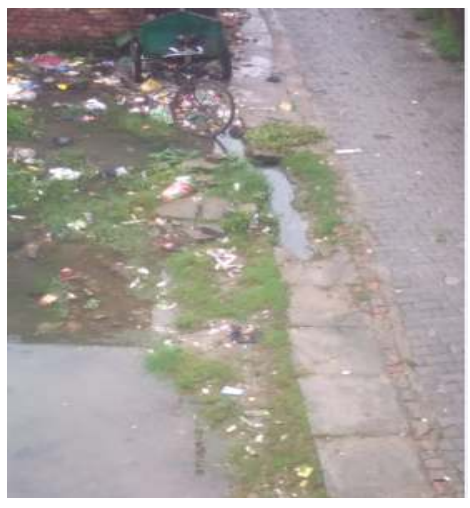

स्वस्थता को लेकर चाहे जितने प्रयास कर लें चाहे जितनी बार पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधि और कर्मचारी अपने ढर्रे पर ही काम करेंगे। कोरोना के दो लहरों में बहुत से लोगों ने अपनों को खोया है, कोरोना के प्रभाव को कम करने के लिए स्वच्छता काफी हद तक प्रभावशाली है। लेकिन आदर्श नगर पंचायत डुमरियागंज शायद इन शब्दों से या तो अनभिज्ञ है या जानबूझ कर जानना नहीं चाहता है। देश के वैज्ञानिक कोरोना के तीसरी लहर की आशंका व्यक्त कर रहे हैं ऐसे में आदर्श नगर पंचायत डुमरियागंज के वार्ड नम्बर 15 गाँधीनगर की ली गयी ये तस्वीर खुद बताती है की मौसमी बीमारियों के साथ कोरोना का गठबंधन नगर पंचायत वासियों के लिए कितना खतरनाक साबित होगा।

रोड नही तो वोट नही ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। विकास खण्ड उसका बाजार के ग्राम पंचायत सुगही ने ग्रामीणों द्वारा रोड खराब को लेकर प्रदर्शन किया गांव से 1 किलो मीटर की दूरी तक प्रदर्शन कर गांव के मुख्य गेट पर बैनर लगा दिए बैनर ने साफ साफ लिखा गया है कि पहले रोड फिर वोट रोड इतनी जर्जर हो गई है कि लोगो को आने जाने में दिक्कत हो रही लेकिन जनपद के प्रशासन और नेता को क्या कहा जाय चुनाव के समय दिखाई देते है जीतने बाद भूल जाते है अगर कोई दो पहिया वाहन से जा रहा हो तो उसको भय बना रहता है कि कही गाड़ी का साकार न बैठ जाए कही गाड़ी पंचर न हो जाए और कही बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए ले जाया जाय तो जल्दी ले नही जा पाएंगे अस्पताल तक पहुंचते पहुंचते मरीज रास्ते में ही दम तोड देगा ग्रामीणों का आरोप है की रोड की हालत देखकर चुनाव बहिष्कार किया जा रहा है अगर चुनाव के पहले रोड नही बना तो न ही चुनाव डालने जायेंगे और न ही कोई नेता वोट मांगने आए भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर विरोध ा प्रदर्शन किया ग्रामीणों का कहना है कि अगर रोड नही बना तो रोड जाम करेंगे और गांव में किसी नेता को आने नही दिया जायेगा।इसमें उपस्थित– नन्हे दूबे, मंगेश दूबे,निसाकर दूबे, राजेश दूबे,कविंदर दूबे, सबलू ,देवी दूबे,प्रदीप , डिंपू,गुड्डू,भोदू,सुग्रीम,सीताराम,राजन यादव, इब्राहिम,दुर्विजय सिंह आदि ग्रामीण रहे मौजूद।

नव चयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों का नियुक्ति पत्र ही भाजपा की सफलताः सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया उ0प्र0 लोक सेवा आयोग से राजकीय माध यमिक विद्यालयों के 2846 नव चयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आनलाइन नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में जनपद सिद्धार्थनगर के एन0आई0सी0 में 08 सहायक अध्यापकों को सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाधिकारी दीपक मीणा, सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नरायन मौर्य की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी शिक्षक आज यहां उपस्थित है निश्चित रूप से वह उनके मेहनत और परिश्रम का परिणाम है, उन्होंने कहा कि मेहनत और परिश्रम का कोई विकल्प नही होता, पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रियाऐं योग्य व्यक्तियों के चयन का आधार तैयार करती हैं, नवनियुक्त शिक्षक इसके सबसे बड़े उदाहरण है, इन्होंने कहा

कि नवनियुक्त शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को समझे, इनके हाथों में कई बालकों का भविष्य है, ये जागरूक बनकर शासन की योजनाओं की जानकारी अपने विद्यार्थियेां को प्रदान कर सकते है, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक शिक्षक को जिज्ञासु होना चाहिए, तभी वह नई–नई बाते सीखकर अपने विद्यार्थियों को भी सिखा सकता है, उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों को संदेश देते हुए कहा कि एक सुयोग्य शिक्षक बनकर आप आपने कार्यकाल को यादगार बना सकते है, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि आज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आनलाइन 2846 प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसी श्रृंखला में जनपद सिद्धार्थनगर में 08 सहायक अध्यापको को नियुक्ति पत्र दिया गया। उ0प्र0 सरकार द्वारा यह भर्ती निष्पक्ष एवं पारदर्शी व पूरी ईमानदारी से की गयी है। नवनियुक्त अध्यापको को बधाई दी गयी। उन्होने कहा कि आप जिस कालेज में पढ़ायेंगी वहां के विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा से पढ़ायेंगी एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दे। इसीक्रम में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने नवनियुक्त सहायक अध यापको को बधाई देते हुये कहा कि यह जिला महत्वाकांक्षी जिला है आपको अवसर मिला है विद्यार्थियों का जीवन सुधारने का इस अवसर को पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से ये जिम्मेंदारी निभायेंगे, यदि कहीं कोई समस्या आ रही है तो जिला विद्यालय निरीक्षक को या प्रशासन को अवगत करायें। सीमा भारती, दीपिका मिश्रा, सपना सिंह, दीपमाला, माधुरी जायसवाल, आकांक्षा वर्मा, मनोज कुमार एवं सत्येन्द्र कुमार शुक्ला को सहायक अध्यापक/अध्यापिका सामाजिक विज्ञान विषय के पद पर नियुक्ति पत्र दिया गया।

नेपाल प्रहरी ने ब्राउन सुगर के साथ दो भारतीय नागरिकों किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। नेपाल राष्ट्र के कपिलवस्तु जिला प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक दानबहादुर कार्की के आदेश के अनुपालन मे सूचना अधिकारी प्रहरी नायब उपरीक्षक धर्म राज भण्डारी के पर्यवेक्षण मे अपनी टीम के द्वारा 6 ग्राम ब्राउन सुगर के साथ दो भारतीय नागरिक को समय करीब 1 बजे जिला कपिलवस्तु शुद्धोधन गाउँ पालिका वार्ड नं 3 हरदिहवा स्थित से गिरफ्तार किया।

दोनो भारतीय युवक ब्राउन सुगर विक्री करने के लिए नेपाल राष्ट्र के कपिलवस्तु जा रहे थे कि मुखबिर की सूचना के आधार पर कपिलवस्तु क्षेत्र में ब्राउन सुगर 3 पत्ता (6ग्राम)के साथ भारतीय तस्कर को पकड़ लिया गया जिसकी पहचान शहजाद अंसारी 25वर्ष नीबी दोहनी थाना शोहरतगढ़ व शोहरतगढ़ निवासी 32वर्ष मो रजा खान थाना– शोहरतगढ़, जिला– सिद्धार्थनगर के रूप में हुई।पकड़े गये भारतीय तस्करो को कपिलवस्तु जिला कार्यालय को सौंप दिया गया। इस सम्बंध मे नेपाल राष्ट्र कपिलवस्तुजिला प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक दानबहादुर कार्की ने बताया कि भारतीय दो नागरिक6ग्राम ब्राउन शुगर के साथ कपिलवस्तु जिला के शुद्धोध ान गाउँ पालिका वार्ड नं 3 हरदिहवा स्थित से गिरफ्तार किया ।

प्रदेश सरकार टीबी उन्मूलन हेतु प्रतिबद्धय जनांदोलन की आवश्यकता- स्वास्थ्य मंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राज्य सरकार की टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप हम लोग, सभी टीबी मरीजों को बेहतर और नियमित उपचार प्रदान करने और प्रदेश से टीबी के पूर्ण उन्मूलन हेतु मिशन मोड में कार्य कर रहें हैं। राज्य सरकार, सभी विभागों के बीच समन्वय बनाते हुए टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जनांदोलन का रूप दे रही है। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने आज ये उदगार, टीबी से सम्बंधित मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में, मीडिया सहयोगियों से संवाद करते हुए व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में प्रदेश के अन्य जनपदों के मीडिया सहयोगी भी वर्चुअल रूप से जुड़े थे। गोरखपुर–बस्ती मंडल से दर्जनों पत्रकारों ने कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग किया।

- निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक लाभार्थियों को कुल 228 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित
- कार्यशाला में गोरखपुर-बस्ती मंडल के दर्जनों पत्रकारों ने किया वर्चुअल प्रतिभाग

हाईवे पर बेकाबू कार अनियांत्रित होकर कंटेनर से टकराई, पति पत्नी समेत तीन बच्चे की मौत

दीपक सोनी/

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। नेशनल हाईवे पर पुरैना गांव के पास गुरुवार सुबह एक भयानक हादसे में पति–पत्नी और तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। ये सभी कार से लखनऊ से झारखंड जा रहे थे। कार, अचानक बेकाबू होकर बस्ती जिले में नगर बाजार थाना क्षेत्र के पुरैना–रिठिया गांव के बीच कंटेनर में पीछे से घुस गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल ड्राइवर और तेरह वर्षीय बच्ची बाल–बाल बच गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा दुरूख जताते हुए घायलों का समुचित उपचार कराने और प्रभावित लोगों को

हर संभव मदद तथा राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। सूचना पर फुटहिया चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधि ाकारियों को जानकारी दी। कुछ ही देर में सीओ कलवारी नगर थाने की पुलिस के अलावा कप्तानगंज इंस्पेक्टर बृजेश सिंह भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार की बाडी गैस कटर से काटकर शवों को बाहर निकाला गया। अब्दुल अजीज का परिवार मूलतः बिहार राज्य के भागलपुर जिला थाना महगमा गांव सिसरी का रहने वाला था। मौजूदा समय लखनऊ के शारदा नगर में दशकों से रहते हुए प्रापर्टी डीलर का काम करते थे।अब्दुल अजीज की सास की बुधवार की मौत हो गई थी। वह झारखंड की रहने वाली थीं। अब्दुल अजीज अपनी पत्नी नर्गिस तबस्सुम, पुत्री अनम, एनम, सिदरा और तूबा के साथ झारखंड के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आ जाने के चलते कार कंटेनर से जा भिड़ी। कार में ड्राइवर को छोड़कर एक ही परिवार के कुल छह लोग सवार थे। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

डुमरियागंज विधायक ने किया सड़कों का शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने तीन प्रमुख सड़कों का शिलान्यास किया। जबरदस्त बारिश के बीच

अपने तय समय पर पहुंचे विधायक राघवेंद्र सिंह ने सिसई खुर्द नहर के माईनर से बरगदवा कदमडड़वा होते हुए गनवरिया प्राइमरी तक सम्पर्क मार्ग जिसकी कुल लम्बाई तीन किलोमीटर और लागत 263.36लाख रूपये, धर्मपुरवा से महुवा प्राथमिक विद्यालय होते हुए बूढापार संपर्क मार्ग जिसकी कुल लम्बाई 3.1 किलोमीटर और लागत 254.57 लाख रूपये और जोगिया खुर्द से किसान उत्तर माध यमिक विद्यालय होते हुए गुरु प्रसाद पुरवा संपर्क मार्ग जिसकी कुल लम्बाई 3.1 किलोमीटर और लागत 239.35 लाख रूपये की सड़कों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि 9.1 किलोमीटर की 757.28 लाख रूपये से बनने वाली इन सड़कों से क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा मिलेगा और ये सडकें क्षेत्र के विकास में बहुत सहायक साबित होंगी।

जमीनी विवाद में दबंगो ने एक परिवार पर गिराया कहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। थाना अंतर्गत ग्राम सभा फतेहपुर में जमीनी विवाद में कोटेदार सुभाष प्रसाद उनके पुत्र चंद्रहास एवं इंद्रहास को दबंगो ने बुरी तरीके से घायल कर दिया। सूचना पा कर मौके पहुंची पुलिस मेडिकल परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेजा, जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए चंद्रहास कुमार एवं सुभाष प्रसाद को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

सांप काटने से हुई महिला की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखापुर। तहसील क्षेत्र के चड़ेरिया गांव में बिजय यादव की पत्नी शिखा यादव को रात में दो बजे के करीब सांप काट लिया। आनन फानन में दोहरी घाट ले गए ।डॉक्टर मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार वालों का रोकर हुआ बुरा हाल है। दो मई 21को इनकी शादी हुई थी।

नव नियुक्त भाजपा विधि प्रकोष्ठ गोरखपुर का स्वागत

संयोजक अजय गुप्ता बजरंगी एडका स्वागत सम्मान माल्यार्पण के साथ मिष्ठान खिलाकर किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। सिविल कोर्ट सभागार में डिस्ट्रिक बार एसोशिएशन के अध्यक्ष भानु प्रताप पांडेय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने नव नियुक्त भाजपा विधि प्रकोष्ठ गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय सह–संयोजक अजय गुप्ता बजरंगी एडवोकेट का स्वागत सम्मान माल्यार्पण के साथ मिष्ठान खिलाकर किया गया इस अवसर पर अध्यक्ष भानु पाण्डेय ने बजरंगी को बधाई देते हुए कहा कि अधिवक्ता कहीं किसी भी संगठन में क्यों न हो उसे यह सदैव स्मरण रहना चाहिए कि अधिवक्ताओ का हित सर्वोच्च है क्योंकि देश और समाज हमसे यही अपेक्षा रखता है कि हम कोई कार्य भेदभाव रहित न्याय प्रिय ढंग से कानून के दायरे में रहते हुए करेंगे। एसोसिएशन के मंत्री अनुराग दूबे ने बजरंगी का स्वागत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता ब्यक्त की और कहा कि भाजपा विधि प्रकोष्ठ में रहते हुए अधिवक्ताओ कें लिए संकलपित एवं संगठित होकर सदैव संर्घषरत रहना हम सबका प्रथम दायित्व है। बार के उपाध्यक्ष प्रवीण शुक्ला एवं राजू गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि हमारे बीच से ही एक नौजवान अधिवक्ता को भाजपा विधि प्रकोष्ठ में क्षेत्रीय पदाधि ाकारी बनाकर पार्टी ने अधि ावक्ताओ को उचित सम्मान दिया है। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रमेश सिंह एडवोकेट ने कहाकि पार्टी ने जुझारू कार्यकर्ता को अधिवक्ताओ के बीच कार्य करने की जिम्मेदारी सौंप कर सराहनीय कार्य किया है। अंत में स्वागत से अभिभूत क्षेत्रीय सह संयोजक अधिवक्ता अजय गुप्ता बजरंगी ने बार एसोसिएशन के सभी पदाधि ाकारियों के प्रति हृदय से आभार ब्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि मैं अधिवक्ताओ के हर सुख दुःख में कन्धे से कन्या मिलाकर सड़क पर संर्घष करूँगा और यह प्रयास होगा कि अधिकाधिक संख्या में अधिवक्ताओ को पार्टी से जोड़कर संगठन को मजबूती प्रदान कर सकूँ । स्वागत करने वाले अधिवक्ताओ में प्रमुख रूप से अशोक मिश्रा, सत्यवान नाथ त्रिपाठी, भुपेन्द्र निषाद, अभय गुप्ता, शशि श्रीवास्तव, रवि मिश्रा, फहद अली, कृष्ण मोहन पाठक, एडीजीसी धीरेन्द्र जायसवाल, मनीष मिश्र, परमानंद त्रिपाठी, एडवोकेट अविनाश त्रिपाठी, सौरभ सिंह, एडवोकेट रीतू सिंह, पुष्पा सिंह, मोहिनी त्रिपाठी, मीरा पाल, शिवकुमार गुप्ता, अखिलेश कुमार, रंजीत चौहान, जुगुल प्रसाद, सहित भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे ।

थाना जोगिया उदयपुर का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। निरीक्षण में महिला हेल्प डेस्क, आइजीआरएस

पटल, जन शिकायत पटल, थाना कार्यालय परिसर, हवालात व भोजनालय का निरीक्षण किया गया। महिला हेल्प डेस्क पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को 24 घंटे के अंदर निस्तारित करने, पासपोर्ट प्रार्थना पत्रों को 15 दिन में, थाना दिवस तहसील दिवस व आईजीआरएस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को 1 सप्ताह में निस्तारण के निर्देश दिए गए। थाने में सूचीबद्ध 29 भूमि विवादों के निस्तारण व उनमें निरोधात्मक कार्यवाही की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। थाना कार्यालय में अभिलेखों के रखरखाव व उनमें प्रविष्टियों को अद्यतन रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया। समय–समय पर थाना कार्यालय के कर्मियों को सुबह के समय एकत्र करके वर्कआउट कराने हेतु प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया ताकि उनमें सक्रियता बनी रहे। इस क्रम में प्रभारी निरीक्षक जोगिया तहसीलदार सिंह द्वारा आज थाना कार्यालय स्टाफ को एकत्र करके दौड़ लगवा कर वर्कआउट कराया गया ताकि और अधिक सक्रियता से काम कर सके।

54 केंद्रों पर 8356 लोगों को लगा कोरोनारोधी टीका

देवरिया। जिले में कोरोनारोधी टीका लोगों की भीड़ के चलते कम पड़ जा रही है। हर रोज लोग टीका लगवाने केंद्रों पर पहुंच रहे हैं लेकिन सभी को कोरोनारोधी टीका नहीं लग पा रहा है। जिसे लेकर लोग परेशान हैं। 54 टीकाकरण केंद्रों पर 8356 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। गांवों में नेटवर्क की समस्या के चलते अधिकांश लोगों को स्लाट बुक करने में परेशानी हो रही है। इस समस्या की तरफ विभाग का ध्यान नहीं जा रहा है। अभी काफी लोग ऐसे हैं, जिनके पास मल्टीमीडिया सेट नहीं है। वह सामान्य फोन ही प्रयोग करते हैं। उनके लिए परेशानी है। एक फ्रंटलाइन वर्कर को कोरोनारोधी टीके की दूसरी डोज दी गई। जिले में कुल 9070 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक 4732 लोगों को प्रथम डोज व 591 को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 1218 को प्रथम व 858 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से ऊपर 447 को प्रथम व 509 को द्वितीय डोज दिया गया।

सम्पादकीय

ऐसे में डीआरडीओ को कोरोनारोधी दवा और अन्य वैकल्पिक दवाओं का उत्पादन व उपलब्धता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस लड़ाई में हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों की भूमिका बढ़ जाती है। सरकार और नागरिकों के स्तर पर बेहतर तालमेल के साथ ही हम कोरोना...

उम्मीदों के निष्कर्ष

कोरोना संक्रमण की विश्वव्यापी त्रासदी के बीच यह भारत की उपलब्धि ही कही जायेगी कि देश में पचास करोड़ से अधिक लोगों को पहला कोरोनारोधी टीका लग चुका है। यह आंकड़ा दुनिया के कई बड़े देशों की कुल आबादी से अधिक है। देश में स्वदेशी टीके का तैयार होना और कई विदेशी टीकों का उत्पादन कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारे अभियान को ताकत देता है। देश बेहद घातक डेल्टा वेरिएंट की त्रासदी से धीरे–धीरे उबरने लगा है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर में संक्रमण की दर में धीरे–धीरे कमी आ रही है। ऐसे वक्त में जब देश में कुल संक्रमण का आकंड़ा सवा तीन करोड़ को छूने को है, सरकारी आंकड़ों के हिसाब से सवा चार लाख लोगों को हम खो चुके हैं, देश में तीन करोड़ लोगों के कोरोना संकट से उबरने के बावजूद संक्रमण की चुनौती खत्म नहीं हुई है। तीसरी लहर की आशंका को लेकर चिकित्सा विज्ञानी चेता रहे हैं। ऐसे में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर के हालिया अध्ययन के निष्कर्ष उम्मीद जगाने वाले हैं। आईसीएमआर के अध्ययन में दावा किया गया कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिये कोविडरोधी टीका कोवैक्सीन और कोविशील्ड की एक–एक खुराक लेने से रोग के खिलाफ बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। दुनिया में अपनी किस्म का यह विशेष अध्ययन उत्तर प्रदेश में करीब सौ लोगों पर किया गया। इसमें 18 लोग ऐसे थे जिन्होंने अनजाने में ही टीके की पहली खुराक कोविशील्ड और दूसरी खुराक कोवैक्सीन ले ली थी। लेकिन इन लोगों में बेहतर ढंग से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई। आईसीएमआर का अध्ययन इस तरह अलग वैक्सीन की एक–एक खुराक लेने को सुरक्षित बताता है। उल्लेखनीय बात यह कि इस प्रयोग के प्रतिकूल प्रभाव वैसे ही थे, जैसा कि एक ही वैक्सीन की दो खुराक लेने के बाद सामने आते हैं। इसके बारे में कहा जा रहा है कि यह अपने किस्म का पहला अध्ययन है, जिसमें दो अलग–अलग टीकों के खुराक के असर की प्रामाणिक जानकारी दी गई है। दरअसल, तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच देश में संक्रमणरोधी टीकों का आंकड़ा ऐतिहासिक रूप से पचास करोड़ पार कर जाना देश का आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। ऐसे वक्त में जब यूरोप–अमेरिका में तीसरी–चौथी लहर दस्तक दे रही है तो हमारे लिये बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। अभी भारत डेल्टा वेरिएंट की भयावह त्रासदी से उबरने की कोशिश में है। लेकिन संकट अभी टला नहीं है। महामारी की दूसरी लहर में चिकित्सा संसाधनों के अभाव में हमने जिस मानवीय त्रासदी के भयावह दृश्य देखे, उससे हमें सबक लेने की जरूरत है। चिकित्सा के मोर्चे पर तैयारी की तो जरूरत है ही, एक नागरिक के रूप में भी सतर्कता की जरूरत है। एक बड़ी आबादी मानकर चल रही है कि देश से कोरोना की अंतिम विदाई हो चुकी है। पिछले दिनों पर्यटन स्थलों पर उमड़ती बेपरवाह भीड़ और कोरोना से बचाव के उपायों की अनदेखी चिंता बढ़ाने वाली है। कमोबेश यही स्थिति कस्बों–गांवों से लेकर छोटे–बड़े शहरों की भी है। ये स्थिति कहीं न कहीं तीसरी लहर की चिंताओं को बढ़ाने वाली है। पिछली लहर की त्रासदी से सबक लेकर आगे बढने की जरूरत है। ऐसे में सरकार द्वारा अमेरिकी दवा कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन के सिंगल शॉट वैक्सीन को आपातकालीन मंजूरी उम्मीद जगाने वाली है। इसी तरह अन्य अमेरिकी वैक्सीनों व रूसी वैक्सीन स्पूतनिक–वी के उपयोग व उत्पादन की आपातकालीन अनुमति सकारात्मक कदम कहा जा सकता है जो कोरोना संक्रमण उन्मूलन के लिये हमारी लड़ाई को मजबूती देगा।

चांदी की चमक में कसमसाती अस्मिता

आलोक पुराणिक

चीजें बदल रही हैं, भारी बदलाव दिख रहे हैं सब तरफ। स्वर्गीय राजीव गांधी के नाम पर रखे एक प्रतिष्ठित अवार्ड का नाम हॉकी के महान खिलाड़ी ध्यानचंद के नाम पर रख दिया गया है। नये अवार्ड का नाम हैकृमेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड।

पर बदलाव कई फ्रंट पर चल रहे हैं। सरकारों के पास पैसा कम हो रहा है और इसलिए सरकारें स्पांसरशिप का सहारा ले रही हैं। दिल्ली में मेट्रो स्टेशनों के नाम तमाम कंपनियों और ब्रांडों के नामों पर रखे जा रहे हैं। दिल्ली के प्रख्यात चौराहे आईटीओ चौराहे पर स्थित मेट्रो स्टेशन का नाम जेके टायर के नाम पर है। दिल्ली में आईआईटी के पास के मेट्रो स्टेशन का नाम एक कोचिंग संस्थान के नाम रखा गया था। सरकारों के पास पैसा न है, स्टेशन स्पांसरों के नामों पर हो रहे हैं और अवार्डों के साथ भी ऐसा ही हो सकता है।

फिल्म उद्योग से जुड़ा एक बड़े अवार्ड का ताल्लुक बड़ी फिल्मी पत्रिका से था। अवार्ड तो चल रहा है अब भी, पर अब पान–मसाले से जुड़ा है उस अवार्ड का नाम। वजह साफ है कि यह पान–मसाला ही उस अवार्ड को स्पांसर करता है।

कुछ ऐसा न हो जाये मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड के साथ, पता लगे कि कुछ सालों बाद यह टैनी खैनी मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड हो जाये। टैनी खैनी वाले स्पांसर कर देंगे अवार्ड की रकम। रकम जो देगा, उसका नाम तो लेना ही होगा। ध्यानचंद के साथ खैनी का नाम जुड़ जाये, ऐसे दिन न देखने पड़ें, पर किया क्या जा सकता है। स्पांसरों की अपार महिमा है। अमेरिका में बड़े विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों के नाम के आगे उन ब्रांडों का नाम लगाया जाता है, जो उन प्रोफेसरों की सेलरी को स्पांसर करते हैं। मतलब किसी प्रोफेसर का नाम कुछ यूं हो सकता हैकृपेप्सी प्रोफेसर ऑफ मार्केटिंग डेविड स्टाक्स, यानी इन प्रोफेसर साहब की सेलरी का भुगतान पेप्सी वाले करते होंगे।

टैनी खैनी के बाद कोई पिज्जा भी नंबर लगा सकता हैकृगोमिनो पिज्जा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड भी हो सकता है। संभावनाएं अपार हैं पर डर उनसे ज्यादा है।

तारीख पर तारीख का सिलसिला हो बंद

प्रत्येक दस लाख की जनसंख्या पर न्यायाधीश–आबादी के अनुपात का निर्धारण करने के लिये प्राधिकारी 2011 की जनगणना को आधार बनाते हैं लेकिन धरातल पर यह अनुपात कहीं नजर नहीं आता है। केन्द्र और राज्य सरकारों को अधीनस्थ अदालतों में आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या में और वृद्धि करने के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि मुकदमों की सुनवाई के मामले में तारीख पर तारीख का ...

अनूप भटनागर

देश की अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित होने और इनके समाधान के उपायों पर चर्चा अक्सर होती है, लेकिन देखा जाए तो इसका नतीजा कुछ नहीं निकलता। लंबित मामलों की संख्या में विशेष अंतर नहीं पड़ता क्योंकि इनके निस्तारण की रफ्तार तेज नहीं है। इसकी मुख्य वजहों में तारीख पर तारीख लगना भी है।

सरकार का तर्क है कि विभिन्न अदालतों में भिन्न प्रकार के मुकदमों के निस्तारण के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गयी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं और किशोरियों के प्रति यौन हिंसा या बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से संबंधित मामलों के निस्तारण की समय सीमा कानून में निर्धारित है।

दरअसल, न्यायपालिका में निचले स्तर से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक मुकदमों की सुनवाई के लिए सख्त समय सीमा निर्धारित करने और सुनवाई स्थगित करने के बारे एक ठोस नीति बनाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति धनंजय वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की पीठ ने एक मामले में बहस करने वाले अधिवक्ता के दूसरे मामले में व्यस्त होने के आधार पर इस मुकदमे की सुनवाई स्थगित करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने इस तरह का अनुरोध करने वाले वकील से कहा कि वह खुद बहस करे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और पीठ ने अपील खारिज कर दी। पीठ ने कठोर शब्दों में कहा कि हम विवादों पर फैसला करके अपना कर्तव्य निभाने की शपथ के तहत हैं न कि इसे स्थगित करने के। न्यायाधीशों को अगले दिन के लिये आधी रात तक तमाम मामलों की फाइलें पढनी होती हैं। मामलों को इस तरह से स्थगित नहीं किया जा सकता।

लेकिन अक्सर देखा गया है कि किसी न किसी पक्षकार की ओर से एक वकील सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध कर देता है। नतीजा मुकदमे की सुनवाई नहीं होती है और यह लंबित ही रहता है।

वैसे मुकदमों की सुनवाई स्थगित होने में अदालत की रजिस्ट्री की भूमिका भी कम नहीं है। कई बार ऐसा होता है कि न्यायाधीश द्वारा मामले में नोटिस जारी करने का आदेश दिये जाने के बावजूद यह नोटिस संबंधित पक्षों को मुकदमे की सुनवाई से चंद दिन पहले ही मिलता है। इसकी वजह संचार क्रांति के बावजूद रजिस्ट्री द्वारा तत्परता से संबंधित पक्षों को न्यायालय का नोटिस नहीं भेजना भी है। न्यायालय के आदेश के चंद दिनों के भीतर ही नोटिस भेजने की बजाय इसे अंतिम क्षणों में भेजने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

उच्चतम न्यायालय पहले भी कई अवसरों पर मुकदमों की सुनवाई स्थगित कराने के लिए वकीलों द्वारा पेश वजहों पर आपत्ति और नाराजगी व्यक्त कर चुका है। इसमें अधिकांश में यही कहा जाता है कि बहस करने वाले अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं, या वह शहर से बाहर हैं या फिर किसी जरूरी मामले में व्यस्त हैं। कई मामलों में अदालत सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध स्वीकार कर लेती है या फिर वकील की अनुपस्थिति के आधार पर निरस्त किए गए प्रकरण को फिर से बहाल करने की भी अनुमति दे देती है लेकिन प्रत्येक मामले में ऐसा नहीं होता है।

इसी तरह के एक मामले में न्यायालय ने सात फरवरी, 2019 को भी अपने आदेश में कहा था कि अधिवक्ता का शहर के बाहर होना सुनवाई स्थगित करने का आधार नहीं हो सकता है। हाल ही में सरकार ने राज्यसभा को अधीनस्थ अदालतों में लंबित मुकदमों और प्रत्येक दस लाख की आबादी पर न्यायाधीशों के बारे में दिलचस्प जानकारी उपलब्ध कराई। स्थिति यह है कि आज भी अधीनस्थ अदालतों में करीब तीन करोड़ 94 लाख मुकदमे लंबित हैं। इस समय निचली अदालतों में एक लाख से ज्यादा मुकदमे तीस साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। इनमें 37,423 मामले दीवानी के हैं जबकि शेष 64, 578 आपराधिक मामले हैं।

दरअसल, अधीनस्थ अदालतों में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों का नहीं होना और स्वीकृत पदों की तुलना में लगभग 25 फीसदी न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के पद रिक्त होना इसकी बड़ी वजह है। सरकार ने जिला और अधीनस्थ अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाई है। अधीनस्थ अदालतों में 2014 में न्यायाधीशों के पदों की स्वीकृत संख्या 19,518 थी जो 2020 में बढ़कर 24,225 हो गयी है। लेकिन लंबित मुकदमों की संख्या की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए इसे पर्याप्त नहीं माना जा सकता। इसके अलावा, मुकदमों की सुनवाई किसी न किसी आधार पर स्थगित कराने की प्रवृत्ति भी लंबित मुकदमों की संख्या कम नहीं होने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। न्यायपालिका की सख्ती से इस प्रवृत्ति पर अंकुश पाया जा सकता है।

हकीकत यह भी है कि देश में 2020 में प्रति दस लाख की आबादी पर न्यायाधीशों की संख्या 21.03 थी जबकि 2018 में दस लाख लोगों पर 19.78 न्यायाधीश और 2019 में यह बढ़कर 20.39 हो गयी। लेकिन क्या यह अनुपात तर्कसंगत और व्यावहारिक है। शायद नहीं। प्रत्येक दस लाख की आबादी के लिए अगर 21.03 न्यायाधीश होंगे तो निश्चित ही मुकदमों का निपटारा तेजी से नहीं होगा। न्यायाधीश अगर पूरी गंभीरता से मुकदमों के निस्तारण को गति प्रदान करने का प्रयास करें तो इसमें किसी न किसी आधार पर सुनवाई स्थगित कराने और तारीख पर तारीख का सिलसिला अपनी भूमिका निभाने लगता है।

प्रत्येक दस लाख की जनसंख्या पर न्यायाधीश–आबादी के अनुपात का निर्धारण करने के लिये प्राधिकारी 2011 की जनगणना को आधार बनाते हैं लेकिन धरातल पर यह अनुपात कहीं नजर नहीं आता है। केन्द्र और राज्य सरकारों को अधीनस्थ अदालतों में आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या में और वृद्धि करने के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि मुकदमों की सुनवाई के मामले में तारीख पर तारीख का सिलसिला बंद हो।

ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, भारत को स्थायी और सामाजिक रूप से उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए अन्वेषण और उत्पादन दोनों को बढ़ाने की जरूरत है। एमएमडीआर अधिनियम, 1957, एमईएमसी नियम और खनिज (नीलामी) नियम में संशोधन के जरिये हमारी सरकार द्वारा खनन क्षेत्र में सुधार किये गए हैं...

आत्म-निर्भर खनन: नए अवसरों की तलाश

प्रहलाद जोशी

जब भारत ने 1991 में नई औद्योगिक नीति को अपनाया, तो हम उदार, वैश्विक और बाजार संचालित आर्थिक विश्व व्यवस्था का हिस्सा बन गए और हमारे लगभग सभी व्यापार क्षेत्र स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, नयी कंपनियों और नए निवेश के लिए खुल गए। हालांकि, भारत का खनन क्षेत्र, नई औद्योगिक नीति से अलग और अप्रभावित रहा। बाद में नई औद्योगिक नीति में सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की संख्या, केवल दो (परमाणु ऊर्जा और रेलवे) तक सीमित कर दी गयी थी। नई औद्योगिक नीति में की गयी कल्पना के अनुरूप, खनन क्षेत्र में न तो कोई घरेलू या विदेशी निवेश आया और न ही वाणिज्यिक खनन के लिए कंपनियों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने आयी। खान एवं खनिज विकास और विनियमन अधिनियम (एमएमडीआर अधिनियम) 1957, द्वारा खानों और सभी खनिजों के विकास और विनियमन के लिए कानूनी ढांचा निर्धारित किया गया था। अधिनियम में प्रतिबंध संबंधी कई प्रावधान थे। भारत के खनन क्षेत्र का भाग्य अपरिवर्तित रहा, जिसमें कोयला ब्लॉक पहले–आओ, पहले–पाओ के आधार पर आवंटित किए जाते थे। परिणामस्वरूप, कोयले के लिए दुनिया का चौथा सबसे बड़ा भंडार, अबरख और बॉक्साइट के लिए 5 वां सबसे बड़ा तथा लौह अयस्क और मैंगनीज के लिए 7 वां सबसे बड़ा भंडार होने के बावजूद, अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हम मुख्य रूप से आयात पर निर्भर हैं। दशकों से आयात और निम्न–स्तर के उत्पादन पर हमारी निर्भरता, सत्ता में बैठे लोगों की नीति और नियामक विफलता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार ने 2015 में एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन पेश किया और खनन उद्योग को पारदर्शी नीलामी व्यवस्था के तहत लाया गया। 2015 के संशोधिक का एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार था–खनन पट्टाधारकों के योगदान से खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के लिए जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) की स्थापना करना। इन सुधारों के जरिये खनिज ब्लॉकों को मनमाने ढंग से आवंटित करने की प्रथा समाप्त कर दी गयी और एक नई खनन व्यवस्था की शुरुआत हुई, जो सामाजिक रूप से जिम्मेदार और दीर्घकालिक थी। इस प्रकार भारत के खनन क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तनों की शृंखला की शुरुआत हुई। सुधार एक सतत प्रक्रिया है और भारत के खनन क्षेत्र जैसे विशाल क्षेत्र के लिए, कोई भी सुधार लाना एक प्रक्रिया के तहत ही हो सकता है, जिसमें कई चरण, परामर्श और विचार शामिल हों। पिछले दो वर्षों में समय–समय पर किये गए सुधार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में तेजी लाने तथा कोविड–19 महामारी के प्रतिकूल प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से किये गए हैं। पिछले 5 वर्षों में हमारे अनुभव और कई हितधारकों के साथ परामर्श व उनके सुझावों के आधार पर, हमारी सरकार द्वारा खनन क्षेत्र में कुछ बहुत महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधार किये गए। अधिनियम और संबंधित नियमों में संशोधन के जरिये खनन क्षेत्र में श्कारोबार में आसानीय को ध्यान में रखते हुए अधिकांश परिवर्तन किये गए हैं। प्रतिबंधित (कैप्टिव)और गैर–प्रतिबंधित (नॉन–कैप्टिव) खानों के बीच अंतर के परिणामस्वरूप खनन क्षेत्र में वांछित खनन कार्य नहीं हो पाया और इससे पर्यावरण के लिए खतरा भी पैदा हुआ। हाल के खनिज सुधारों द्वारा इस अंतर को समाप्त करने के लिए एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन किया गया है। पट्टेदार को खुले बाजार में खनिजों की बिक्री की अनुमति देने से खनन उद्योग में उत्पादन और दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। दूसरे, इन सुधारों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य उन सरकारी कंपनियों के खनिज ब्लॉकों को मुक्त करना है, जिन्हें अभी तक विकसित नहीं किया गया है। इस संशोधन के बाद, राज्य सरकारों द्वारा कई खनिज ब्लॉकों को आरक्षित की श्रेणी से हटाया जायेगा और उन्हें नीलाम किया जाएगा। 2021 के संशोधन के माध्यम से किया गया एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार है–एमएमडीआर अधिनियम की धारा 10 (ए) (2)(बी) के तहत विरासत के मुद्दों को समाप्त करना। इस सुधार से लगभग 500 ब्लॉक नीलामी व्यवस्था के तहत आ जायेंगे, जो अब तक लंबित मामलों के कारण बंद पड़े थे। खनन में आत्म–निर्भर बनने के लिए, हमें अपनी खनन प्रथाओं और अन्वेषण गतिविधियों में पर्याप्त सुधार लाकर अपना आयात कम करना होगा और घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा। हमारी सरकार ने बार–बार इस बात पर बल दिया है कि हमारी समृद्ध खनिज सम्पदा हमारे औद्योगिक, आर्थिक एवं वाणिज्यिक विकास का केन्द्र बिंदु है। पिछले कुछ दशकों से खनिजों की वैश्विक मांग में लगातार वृद्धि हुई है और नवीनतम प्रौद्योगिकियों की भारी मांग के चलते इसमें और बढ़ोतरी होने की सम्भावना है। अन्य क्षेत्रों के साथ–साथ उपभोक्ता उत्पादों, लोक अभियांत्रिकी (सिविल इंजीनियरिंग) रक्षा क्षेत्र, परिवहन और ऊर्जा (बीजली) उत्पादन के बुनियादी ढाँचे की जरूरतों को पूरा करने के लिए खनिजों की आपूर्ति को निरंतर बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गयी है। खनिजों की बढती मांग को देखते हुए अब बहुत आवश्यक हो गया है कि देश में खनिजों के उत्पादन को बढ़ाया जाए और इसके लिए वर्तमान में जारी अथवा अर्ध–विकसित क्षेत्रों में उत्खनन किए जाएं। खनन को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने 2015 में राष्ट्रीय खनन अन्वेषण न्यास (एनएमईटी) की स्थापना की थी और इस पहल को आगे बढ़ाते हुए हमने एनएमईटी को अब तक स्वायत शासी निकाल बना दिया है। मान्यताप्राप्त निजी एजेंसियों को अनुमति दे दी है कि वे इस वर्ष किए गए खनन सुधारों के अनुरूप खनन कार्य शुरु करें। एनएमईटी के एक स्वायत्त शासी निकाय बनने के बाद भारत में खनन कार्यों में बहुत वृद्धि होगी और इसकी कार्य–प्रणाली में तेजी आएगी। इससे हमें अपनी भूगर्भीय–क्षमता को हासिल करने और खनन के क्षेत्र में अंतर्राष्टीय मानकों के अनुरूप काम करने में सहायता मिलेगी। 2021 के खनन सुधारों के तहत एक और बहुत महत्वपूर्ण संशोधन खनिजों के एक नए समूह का गठन है, जिसे भूस्तरीय (सतही) खनिज कहा जाता है–जिसमें चूना पत्थर, लौह अयस्क, बॉक्साइट और कोयला एवं लिग्नाइट शामिल हैं। खनिजों के इस वर्ग के लिए, खनन पट्टे के सन्दर्भ में अन्वेषण मानकों की आवश्यकताओं को युक्तिसंगत बनाते हुए इसे जी–3 स्तर तक और समग्र पट्टे के लिए जी–4 स्तर तक कम किया गया है तथा नीलामी व्यवस्था को आसान बनाकर, नीलामी में अधिक ब्लॉकों की शामिल करने की सुविधा प्रदान की गई है। जिन सुधारों का उल्लेख किया गया है, वे एमएमडीआर (संशोधन) अधिनियम, 2021 द्वारा लाए गए क्रांतिकारी परिवर्तनों की झलक भर हैं और हम भारत के खनन उद्योग और सभी खनिज समृद्ध राज्यों में पहले से हो रहे सकारात्मक विकास को देख रहे हैं। जिन खदानों में काम नहीं हो रहा है, उनके लिए सम्बन्धित राज्य पुनरुआवंटन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर रहे हैं, और सार्वजनिक उपक्रमों की उन खदानों, जिनमें अभी तक उत्पादन शुरु नहीं किया गया है, कि भी राज्य सरकारों द्वारा नीलामी की जा रही है। इन कानूनी संशोधनों के बाद बड़ी संख्या में ब्लॉकों को नीलामी प्रक्रिया में शामिल करने में मदद मिली है और हमने चालू वर्ष में खनन क्षेत्र का बेहतरीन प्रदर्शन देखा है। केन्द्र सरकार के निरंतर प्रयासों और राज्य सरकारों के सहयोग के कारण, यह वर्ग की बात है कि 17 ब्लॉकों की नीलामी की गई है, 27 नए एनआईटी जारी किए गए हैं और आने वाले महीनों के लिए 103 एनआईटी हेतु प्रक्रिया चालू कर दी गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सक्रिय नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से हमने हमेशा ही सहकारी संघवाद और सबका–साथ, सबका–विकास के आदर्श वाक्स का पालन किया है। ये सुधार, केन्द्र और खनिज–संपन्न राज्यों के बीच मजबूत सहकारी संघवाद के प्रतीक हैं और राज्यों ने गर्मजोशी से इन खनन सुधारों का स्वागत किया है। ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, भारत को स्थायी और सामाजिक रूप से उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए अन्वेषण और उत्पादन दोनों को बढ़ाने की जरूरत है। एमएमडीआर अधिनियम, 1957, एमईएमसी नियम और खनिज (नीलामी) नियम में संशोधन के जरिये हमारी सरकार द्वारा खनन क्षेत्र में सुधार किये गए हैं। पिछले कुछ महीनों में नीलामी प्रक्रिया का सफल कार्यान्वयन हुआ है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। यह उस यात्रा की शुरुआत है, जिसे भारत इन सुधारों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के आत्म–निर्भर खनन क्षेत्र और आत्म–निर्भर भारत की दिशा में शुरु कर रहा है।

(लेखक केन्द्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री हैं)

एसआइटी ने बैंक से मांगा रुपये निकासी का विवरण

देवरिया । जिले के दो अनुदानित विद्यालयों में हुए फर्जीवाड़े की जांच कर रही एसआइटी की जांच की आंच अब कई अधिकारियों की तरफ भी बढ़ रही है। एसआइटी ने शिक्षकों के खाते वाले बैंकों से रुपये की निकासी का डिटेल मांगा है। एक से दो दिनों में बैंक डिटेल भी मिलने की संभावना है। डिटेल मिलने के बाद कुछ और लोगों पर शिकंजा कसने की बात कही जा रही है। एसटीएफ ने लघु माध्यमिक विद्यालय मदरसन व सहदेव पूर्व माध्यमिक विद्यालय में फर्जी अनुमोदन पत्र के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति व भुगतान का 10 जुलाई को पर्दाफाश किया। पांच आरोपित अभी जेल भेजे जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति होने के बाद एक–एक शिक्षकों के खाते में लाखों रुपये एक साथ विभाग से गए हैं। उन खातों से रुपये या तो एक साथ निकाल लिए गए हैं या किसी के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं।

इसकी जानकारी होने के बाद एसआइटी ने फर्जीवाड़े में शामिल शिक्षकों के खाते के बैंक डिटेल व किस खाते में इनके खाते के रुपये गए हैं, उसकी भी डिटेल मांगी है। सूत्रों का कहना है कि डिटेल आने के बाद जिस अधिकारी व अन्य लोगों के खाते में वह रुपये भेजे गए हैं, उन तक एसआइटी पहुंचेगी। 11 लोगों का नाम सामने आया एसआइटी की जांच में फर्जी अनुमोदन पर नौकरी कर रहे 11 लोगों के नाम सामने आया है। उनके खिलाफ एसआइटी को सबूत भी मिल गए हैं। जल्द ही उन्हें एसआइटी आरोपित बनाने की तैयारी में है। इससे फर्जीवाड़ा करने वालों में दहशत है।

सिसवा में दवा की तीन दुकानों पर छापेमारी

निचलौल।ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमुई कला निवासी ड्रग माफिया गोविद गुप्ता द्वारा सिसवा की दो दुकानों से दवा की खरीदारी करने की बात सामने आने पर एसडीएम प्रमोद कुमार के नेतृत्व में यहां की थोक दवा की तीन दुकानों पर छापेमारी की गई। तीन घंटे तक चली जांच में आवश्यक अभिलेख खंगाले गए। ई– वे बिल में ड्रग माफिया ने सिसवा की दो व गोरखपुर के दुकान से खरीदारी दिखाई है। हालांकि कोई प्रतिबंधित दवा नहीं मिली लेकिन रख–रखाव में कमियां मिलीं। निर्धारित तापमान पर दवाएं नहीं रखने के कारण तीनों दुकान मालिकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि औषधि निरीक्षक शिव कुमार नायक व उनकी टीम के साथ सिसवा स्थित अनूप मेडिकल एजेंसी, वैभव मेडिकल एजेंसी और समृद्धि मेडिकल एजेंसी की जांच की गई।

जिले में मिले आठ कोरोना संक्रमित, आरटीपीसीआर के लिए भेजे गए 1422 नमूने

महराजगंजरू कोरोना से बचाव का टीका लगवाने और जांच कराने को लेकर लोगों में उत्साह है। . अस्पतालों में लंबी लाइन लगी रही। इस दौरान 7652 को टीका लगाया गया, जबकि 2770 की जांच की गई। इस बीच जिले में आठ कोरोना संक्रमित मिले हैं। जिला महिला अस्पताल, सीएचसी सहित 13 स्थानों पर टीकाकरण और जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इस दिन भी रोज की तरह केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। हालांकि कोरोना की गाइडलाइन से बेपरवाह दिखे। महिला अस्पताल में टीका के लिए लोगों की स्वास्थ्य कर्मियों से नोकझोंक भी हुई, लेकिन पुलिसकर्मियों के सहयोग से मामला शांत कराया गया। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि 7652 युवक, पुरुष व महिलाओं को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया है। 1388 की एंटीजन जांच की गई है, जिसमें आठ लोग संक्रमित मिले हैं। 1422 लोगों की आरटीपीसीआर जांच के लिए नमूना मेडिकल कालेज भेजा गया है।

विद्यालय में मना अमृत महोत्सव

सोनौली। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के श्यामकाट प्राथमिक विद्यालय परिसर में अमृत महोत्सव मना। इस दौरान देश की आजादी में भूमिका निभाने वाले जननायकों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए गए। शिक्षामित्र आनंद मणि त्रिपाठी ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिवार आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। विद्यालय में बच्चों द्वारा पौधारोपण किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कोरोना प्रोटोकाल के तहत किया गया। उमेश, गौतम राय, विद्रवती, सकीना खातून, सुषमा मौर्या, नीलम मिश्रा, राजेंद्र, श्रीचंद, प्रदीप उपस्थित रहे।

थानों पर आयोजित होगी जनता चौपाल, त्वरित होगा समाधान

महराजगंजरू नागरिकों की समस्याओं को निपटाने के लिए थानों में दो घंटे के लिए जनता चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आने वाले फरियादियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाएगा। इसके लिए पुलिस टीम को मौके पर भेजी जाएगी। शुक्रवार को सदर कोतवाली में पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता चौपाल का उद्घाटन करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनता चौपाल को लेकर प्रत्येक थानों में 10 टीमें बनाई गई हैं। चौपाल का आयोजन दोपहर 12 बजे से लेकर दो बजे तक किया जाएगा। थाना पहुंचने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनने के बाद टीम उनके घर पहुंचेगी। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सदर कोतवाली के बाद अन्य थानों में भी आयोजन किए जाएंगे।

दो मृतक आश्रितों को डीएम ने दिया नियुक्तिपत्र

महराजगंज। जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार ने कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में दो मृतक आश्रितों अनूप प्रकाश चंद्र व नसीम खान को तृतीय श्रेणी कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया। फरेंदा क्षेत्र के महेदवा बुजुर्ग (निराला नगर) निवासी रामअवध निचलौल तहसील में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैनात थे, उनकी 28 अप्रैल को कोरोना से मृत्यु हो गई थी। हमीद नगर वार्ड नंबर 16 निवासी गुफरान खान नजारत में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। तीन मई को उनकी भी मौत कोरोना से हो गई थी। इन दोनों के पुत्रों को मृतक आश्रित श्रेणी में नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने नवनियुक्त कर्मचारियों को ईमानदारी से काम करने का सुझाव दिया।

गर्भवती महिलाओं को भी लगेगा कोरोनारोधी टीका

देवरिया। कोरोनारोधी टीका अब गर्भवती महिलाओं को भी लगाया जाएगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन स्थानीय इकाई के तत्वावधान में .सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया गया। डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल आफिसर डा. अंकुर संगवान ने कहा कि वैक्सीन लगने से एंटीबाडी बनती है। जिसका असर बच्चे में भी होगा। ऐसे में यह महिला के साथ गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए भी फायदेमंद है। गर्भवती कभी भी टीका लगवा सकती हैं। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को तो पहले ही वैक्सीन लगवाने की स्वीकृति मिल गई थी। कोविन पोर्टल में पंजीकरण कराते समय यह जानकारी भी दर्ज करनी है कि वह गर्भवती हैं। कहा कि मकसद यह है कि सरकार निगरानी कर सके कि उन्हें टीका लगने के बाद कोई परेशानी तो नहीं है। गर्भवती को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा। उन्हें परेशानी से बचाने के लिए सेंटर पर ही पंजीकरण कराए जाने की व्यवस्था की गई है। गुरुवार से वैक्सीनेशन का कार्य शुरू करने की तैयारी की गई। इस दौरान सीएमओ डा. आलोक पांडेय, एसीएमओ डा. एस के चौधरी, एसीएमओ डा. राजेंद्र प्रसाद, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. सुरेंद्र सिंह ने डिप्टी सीएमओ डा. बीपी सिंह, डा. अतुल कुमार, एआरओ राकेश चंद सहित सभी एमओआइसी और बीपीएम मौजूद रहे। अब बच्चों को बाएं जांघ में लगेगा जेई का जेनवैक टीकाः डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल आफिसर डा. अंकुर संगवान ने बताया कि बच्चों को जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) का लगने वाला टीका जो बाएं हाथ में लगाया जाता था अब वह बाएं जांघ में लगाया जाएगा। पहले बच्चों को लाजेव नाम का टीका लगाया जा रहा था। अब जेई का जेनवैक नामक टीका लगाया जायेगा।

गणित व अंग्रेजी के सवालों में उलझे परीक्षार्थी

देवरिया। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। सीसी कैमरे की नजर में 10 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में पंजीकृत 4029 में 2004 (49.74 फीसद) उपस्थित व 2025 (50. 26 फीसद) परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। गणित व अंग्रेजी के सवालों का उत्तर देने में परीक्षार्थी उलझे रहे। राजकीय इंटर कालेज में परीक्षा देने आई निवेदिता ने कहा कि गणित व अंग्रेजी के सवालों ने परेशान किया। यही बात दुर्गा कुमारी ने भी कही। हर्ष चतुर्वेदी व आयुष यादव ने कहा कि गणित के सवाल हल करने में समय लगा। सलेमपुर संवाददाता के अनुसार, बापू इंटर कालेज में पंजीकृत 403 में 297 ने प्रतिभाग किया। साढेघ 11 बजे से डेढ़ बजे तक हुई परीक्षा में सबसे अधिक बच्चों को गणित के प्रश्नों में दिक्कतें आईं। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शामिल छात्रों में उत्साह दिखा। सुबह 10 बजे से ही परीक्षा केंद्र पर छात्रों व अभिभावकों की भीड़ लग गई। केंद्र व्यवस्थापक संतोष चौरसिया ने बताया कि परीक्षा कस्तूरबा इंटर कालेज की प्रधानाचार्य विमला राय की देखरेख में 17 कमरों में परीक्षा हुई। कुंडौली के रहने वाले छात्र अभिनव चंद ने बताया कि 80 प्रश्न आए थे। सभी प्रश्न हल किया। छात्र शशांक यादव ने बताया कि रिजनिग में दिक्कत आई। मृत्युंजय ने बताया कि पेपर अच्छा हुआ। इशारू के सूर्यांश पांडेय ने बताया कि पेपर अच्छा था। समय कम होने के चलते परेशानी हुई। इन केंद्रों पर हुई परीक्षाः राजकीय इंटर कालेज देवरिया, बीआरडी इंटर कालेज, एसएसबीएल इंटर कालेज, बाबूराम इंटर कालेज भुजौली देवरिया, चंद्रशेखर इंटर कालेज देवगांव गौरीबाजार, बापू इंटर कालेज सलेमपुर, अशोक इंटर कालेज डुमरी रामपुर कारखाना, बीआरडी कृषक इंटर कालेज भाटपाररानी, बाहर सिंह श्रीनेत इंटर कालेज इंदूपुर गौरीबाजार, जगत नारायण इंटर कालेज पकड़ी वीरभद्र

आपदा से क्षति को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी : डा. सुरेंद्र

देवरिया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से आपदा से क्षति को कम करने के लिए रुद्रपुर तहसील के ग्राम पंचायत नारायणपुर में ग्राम प्रधान बिदा देवी के नेतृत्व में ग्राम आपदा प्रबंधन योजना का गठन किया गया।

वरिष्ठ प्रशिक्षक यूनिसेफ के तकनीकी सहायक डा. सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप आपदाओं के लिए सबसे अधिक संभावित क्षेत्र है जहां प्रतिवर्ष विभिन्न आपदाएं बार–बार आती रहती हैं और उनसे काफी मात्रा में धन हानि, पशु हानि एवं जान माल की क्षति होती है। उनके दुष्परिणाम और क्षति को रोकने के लिए ग्राम आपदा प्रबंधन योजना का गठन सबसे ज्यादा सहायक सिद्ध होगी।

कहा कि आपदा प्रबंधन गठन योजना में युवाओं एवं युवतियों का सहयोग आवश्यक है। जिससे एक बेहतर योजना का निर्माण किया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों को सर्पदंश के दौरान रखी जाने वाली सावधानी सर्पदंश की पहचान, उससे मिलने वाली ध नराशि, उसके बचाव के उपाय के साथ–साथ बाढ़ के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा बाढ़ पश्चात फैलने वाले संक्रामक रोगों के निदान के लिए ग्राम आपदा प्रबंधन समितियों एवं दलों की भूमिका के संदर्भ में जानकारी दी।

प्रशिक्षक अजीत तिवारी ने बताया कि दुनिया आपदाओं की बढ़ती तीव्रता का सामना कर रही है। विकासशील देश आपदा की भारी कीमत चुका रहे हैं। आपदा के कारण 95 प्रतिशत मौतें विकासशील देशों में ही होती है। जिससे उन देशों का विकास भी बाधित होता है। मोबाइल में दामिनी एप को डाउनलोड किया जाए, जिससे कि आकाशीय बिजली की जानकारी समय–समय पर प्राप्त होती रहे।

कार्यक्रम समन्वयक विजय प्रताप सिंह ने कहा कि आपदाओं के दौरान हुई क्षति क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा विभिन्न तरह की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसके लिए समय पर आवेदन तथा आवश्यक कागजात की पूर्ति अगर की जाए तो उन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को सुगमता से मिल सकता है। इस दौरान वहां स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, रसोइया, युवा मंगल दल के कार्यकर्ता एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता बर्दाश्त नहीं: सीडीओ

महराजगंज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में शासन की योजनाओं की प्रगति को लेकर बैठक की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने पेंशन, छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्याचार उत्पीड़न, सहायता योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। पात्रों तक शासन की योजना का लाभ पहुंचे, इसे सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि अगली बैठक में सहायक विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण अपने विकास खंडों के संबंधित सत्यापन, नवीन पेंशन की डोंगल एवं अन्य पत्रावलियों के साथ प्रतिभाग करें। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पेंशन के कितने आवेदन आए हैं, कितने को लाभान्वित किया गया है और कितने को सत्यापन के बाद हटाया गया है, इसका विवरण तिमाही सूचना के साथ उपलब्ध कराएं। अगर त्रैमासिक सत्यापन होता है, तो उसकी सूची संबंधित विभाग के सूचनापट पर चस्पा किया जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत लक्षित 121 जोड़ों के आवेदन प्राप्त किए जाए। छात्रवृत्ति योजना में उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया जिन विद्यालयों, कालेजों में छात्रवृत्ति अधिक लंबित है, उसकी सूची बना लें तथा उन विद्यालयों के प्रध ानाचार्य एवं जिला विद्यालय निरीक्षक के साथ बैठक करें। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर कुमार पांडेय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रत्नेश सिहं, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी डीसी त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएमसी टीम ने शुरू की मेडिकल कालेज की जांच

देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कालेज) का नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की दो सदस्यीय टीम ने निरीक्षण किया। टीम ने नवनिर्मित मेडिकल कालेज भवन, संबद्ध जिला अस्पताल व महिला विभाग में जाकर जानकारी ली व ओपीडी रजिस्टर समेत अन्य अभिलेख प्राप्त किया। साथ ही कार्यप्रणाली जाना। टीम गुरुवार को भी मेडिकल कालेज का निरीक्षण करेगी। टीम में शामिल प्रोफेसर डा.कुसा कुमार शाहा (पुडुचेरी) व प्रोफेसर डाक्टर प्रदीप गर्ग (रोहतक) ने कई बिदुओं पर जांच की। डा.कुसा कुमार शाहा ने जिला अस्पताल व महिला विभाग का हाल जाना तो डा.प्रदीप गर्ग ने प्रधानाचार्य डा.एएम वर्मा के साथ नवनिर्मित मेडिकल कालेज भवन का निरीक्षण किया। डा.शाहा सुबह करीब दस बजे जिला अस्पताल के ओपीडी में पहुंचे। उन्होंने ओपीडी रजिस्टर देखा। मरीजों के बारे में पूछा। उन्होंने पीआइसीयू, पुरुष व महिला मेडिकल व सर्जिकल वार्ड, नेत्र रोग विभाग, आरटीपीसीआर केंद्र, डायलिसिस सेंटर, सीटी स्कैन, पैथालाजी, ब्लड बैंक का निरीक्षण किया।

महिला विभाग में ओपीडी, इमरजेंसी, लेबर रूम, आपरेशन थियेटर आदि का निरीक्षण किया। परिसर में निर्माणाधीन भवन व पुरुष इमरजेंसी का भी निरीक्षण किया। करीब दो बजे तक निरीक्षण के बाद वह मेडिकल कालेज में प्रधानाचार्य कक्ष में पहुंचे। प्रधानाचार्य डा. आनंद मोहन वर्मा ने मेडिकल कालेज से जुड़े सभी अभिलेखों को उपलब्ध ा कराया। इस मौके पर वरिष्ठ चिकित्सक डा.एचके मिश्र, डा. डीके सिंह, डा.विजय गुप्ता, उमेश मिश्र आदि सहयोग में लगे थे। अनुमोदन के बाद प्रधानमंत्री करेंगे लोकार्पणः एनएमसी से अनुमोदन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेडिकल कालेज का लोकार्पण करेंगे। 24 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कालेज का निरीक्षण किया था। 15 दिनों से एनएमसी टीम के आने का इंतजार किया जा रहा था। आइडी कार्ड न होने पर चिकित्सक से किया सवालः सुबह दस बजे टीम के पहुंचने की खबर मिलने पर खलबली मच गई। सभी चिकित्सक व कर्मचारी एप्रन पहनने के साथ नेमप्लेट लगाए थे। डा.कुसा कुमार शाहा ने आइडी कार्ड न होने पर चिकित्सक से सवाल किया। ओपीडी रजिस्टर, उपस्थिति पंजिका समेत अन्य अभिलेखों का कैमरे से फोटो भी खिचवाई। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से जानी प्रगति टीम ने कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों से निर्माणाधीन मेडिकल कालेज की प्रगति जानी। उनसे पूछा कि किन भवनों का कार्य पूरा व किन भवनों का कार्य अधूरा है। अधूरे भवनों का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा। पूर्ण हो चुके भवन कब तक हैंडओवर करेंगे। अधिशासी अभियंता अखिलेश सिंह व जेई प्रशांत सिंह ने सभी सवालों के जवाब दिये।

गन्ना सूखते देख किसानों की जान हलक में अटकी

वीते वर्ष भी बड़े पैमाने पर सूखा था गन्ना, नही मिला मुआवजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

हाटा/कुशीनगर। जनपद कुशीनगर गन्ना बाहुल्य क्षेत्र है जनपद का किसान अपने गन्ने के सहारे ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर परिवार का भरण पोषण करता है। और शादी विवाह से लेकर घर की अन्य सभी जरूरतों को पूरा करता है। किसान गन्ने की फसल लगाने में अपना पूरा जमा पूँजी के साथ दिन रात जाड़ा हो या गर्मी या बरसात मेहनत करता है तब कही जाकर गन्ना तैयार

होता है यदि किसानों का गन्ना चीनी मिल में जाने से पहले ही खेतों में सूखने लगे तो किसान का पूरा परिवार भुखमरी के कगार पर पहुँच जायेगा पिछले साल की तरह ही इस साल भी बड़े पैमाने पर गन्ना सुख रहा है। किसान मुआवजे की आस में सरकार के तरफ टकटकी लगाए देख रहा है। एक तरफ तो सरकार किसानों की आय दोगुनी करने में लगी है। मगर आजतक किसानों की आय दोगुनी तो नही हुई मगर किसान कर्जदार जरूर हो गया जानकारी के अनुसार जनपद में लगातार बारिस होने के वजह से हाटा तहसील अंतर्गत बड़े पैमाने पर गन्ना किसानों के खेतों में ही सुख गया है जो एक चिन्ता का विषय है वैसे जनपद में अन्य जगहों से भी किसानों के गन्ने सूखने की जानकारी प्राप्त हो रही है किसानों ने प्रशासन से माँग किया है की जनपद में किसानों के सूखे हुए गन्ने का सर्वे कराकर उचित मुवावजा जल्द से जल्द दिलवाया जाय जो किसान हित में होगा।

नौकायान चौकी इंचार्ज द्वारा चार पहिया एवं दो पहिया वाहनो का चेकिंग किया गया'

गोरखपुर। अपराध तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बृहस्पतिवार को थाना रामगढ़ ताल क्षेत्र के चंपा देवी पार्क पर नौकायान चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक विजय कुमार व आरक्षी नीरज कुमार एवं जनपदीय एंटी रोमियो आरक्षी आशिक अली, आरक्षी गौरी शंकर यादव, आरक्षी शुभम कुमार कुशवाहा, महिला कांस्टेबल पूनम यादव, महिला कांस्टेबल कुमारी साधना, महिला कांस्टेबल उमा द्वारा आज शाम 6रू00 बजे को संघनन चेकिंग किया गया। शाम के समय सड़कों पर लोगों की चहल पहल बराबर लगी रहती है। इसके चलते पैडलेगंज से लेकर नौकायान तक लोग आते जाते नजर आ रहे थे, जिसको लेकर नौकायान चौकी इंचार्ज द्वारा बिना हेलमेट लगाए हुए दोपहिया वाहनों एवं बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहनों का चालान किया गया। एवं जामा तलाशी भी की गई। रामगढ़ ताल थाने की पुलिस ने आज बृहस्पतिवार को जगह–जगह पहुंचकर बिना मास्क लगाए लोगों को घूमते देखा तो उन्हें रोककर उनसे घूमने का कारण पूछा। सही कारण ना बताने पर चालान काटा गया कुछ को चेतावनी देकर उन्हें घर पर रहने को कहा। लोगों को सख्त हिदायत भी दी गई।बताया गया कि तीसरी लहर आने वाली है और कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देख कर राहगीरों से पालन करने को कहा और आवश्यक काम हो तो मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकले।बगैर मास्क के कोई भी घर से न निकले करोना संक्रमण को मद्देनजर रखते हुए सभी लोग मास्क का इस्तेमाल करें।

कोविड से मृत अभिभावकों के बच्चों को मिलेगी निःशुल्क शिक्षा

बोल्टा क्लॉसेज की अनोखी व सराहनीय पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

कसया/कुशीनगर। कोविड–19 की कहर से पूरी दुनिया को

काफी नुकसान हुआ है कितने बच्चों के सर से पिता का साया उठ गया तो कितनों की माँ की ममता छीन गयी ऐसे में इन लोगों को परवरिश का संकट खड़ा हो गया जिसको देखते हुए सरकार ने ऐसे बच्चों को पढ़ाई लिखाई व पालन पोषण के लिए योजना चलाकर इनको इस संकट से दूर कर रही है तो कुछ समाजसेवियों ने भी इन जैसे बच्चों का काफी हद तक खाने –पीने रहने सहित आर्थिक रूप से मदद किया इसी क्रम में नगर के गोरखपुर–कसया फोरलेन मार्ग के किनारे कुशीनगर में संचालित बोल्टा क्लॉसेज ने एक अनोखी पहल करते हुए कोविड से मृत अभिभावकों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। जिसकी सभी सराहना कर रहे हैं संस्था के निर्देशक समीर अहमद व निसार अहमद ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हमारी संस्था आईआईटी ,जेईई और नीट की फाउंडेशन क्लॉसेज चलाती है संस्था उच्च शिक्षा प्राप्त अनुभवी शिक्षकों द्वारा संचालित है। साथ ही जिले का सेलेक्शन देने वाला एकमात्र संस्थान है। पहले ही वर्ष में आईआईटी, जेईई मेन्स और एएमयू बीटेक में शत प्रतिशत संस्था के विद्यार्थी चयनित हुए हमने इस विकट स्थिति में एक सामाजिक कदम बढ़ाते हुए यह निर्णय लिया है कि जिनके अभिभावकों की मृत्यु कोरोना की वजह से हो गयी है। उनकी शिक्षा पैसे के अभाव में नहीं रुकनी चाहिए हम उन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे साथ ही हर सम्भव मदद भी करेंगे हमें उम्मीद है। कि यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा हम अपने देश व समाज के लिए इस विकट स्थिति में खड़े हैं।

पिछड़ो दलितों अल्पसंख्यक समाज को बर्बाद करने पर तुली है भाजपा सरकार

पीछड़ा अनुसूचित जाति जनजाति अल्पसंख्यक सम्मेलन में बोलेः इरफान इरसाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी के तत्वाधान में चल रहे पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति ,जनजाति एवं अल्पसंख्यक प्रतिनिधि सम्मेलन गुरुवार को रावट्सगंज के रामलीला मैदान में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव माननीय इरफान इरशाद ने सम्मेलन में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में जिस प्रकार से अमीर और अमीर एवं गरीब और गरीब होता जा रहा है इन परिस्थितियों में हमें अपने अधिकारों की लड़ाई स्वयं लड़नी पड़ेगी ।हमारे सामने आ रही समस्याओं का समाधान हमें खुद ही करनी पड़ेगी क्योकि बर्तमान केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति जन जाती एवं अल्पसंख्यक समाज को बर्बाद करना चाहती है जिसका प्रमाण है। महगाई

चरम सीमा पर पहचान, डीजल पेट्रोल के दामो में बेतहाशा बृद्धि करना, सरकारी संस्थानों को निजी हाथों में देना, पीछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समाज को इस बात को समझना होगा कि भाजपा सहित सपा बसपा को भी इन समाज के लोगो की याद शिर्फ चुनाव के समय आती है। अब इनके बहकावे में आने की जरूरत नही है। 2022 के चुनाव में भाजपा को उनके कारनामे का करारा जबाब देते हुए जन अधिकार पार्टी के साथ खड़ा होकर 2022 में बनने वाली सरकार की चाभी जन अधिकार पार्टी के मुखिया बाबू सिंह कुशवाहा के हाथों सौपनी होगी। विशिष्ट अतिथि माननीय पटेल विजय नारायण वर्मा ने कहा कि जन अधिकार पार्टी एक आंदोलन का नाम है जो सत्ता के साथ ब्यवस्था परिवर्तन कर देश के अंतिम व्यक्ति के होठों पर मुस्कान देखना चाहती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार में गुंडे अपराधीयों के ऊपर सरकार की पकड़ कमजोर हो गयी है। अपराधी बेलगाम घूम रहे हैं और इस सरकार में सबसे ज्यादा युवाओं को बेरोजगारी के समस्याओं से लड़ना पड़ रहा है। सम्मेलन को कन्हैया कुशवाहा प्रदेश सचिव सूर्यमणि कुशवाहा प्रदेश सचिव युवा प्रकोष्ठ भागीरथी सिंह मौर्य मिर्जापुर मंडल अध्यक्ष, गणेश प्रसाद जिला पंचायत सदस्य चंदौली, उषा देवी एवं मालती देवी जिला पंचायत सदस्य सोनभद्र रानी सिंह प्रदेश महासचिव महिला प्रकोष्ठ,रामकृष्ण प्रजापति प्रदेश सचिव, नसीम खान मंडल अध्यक्ष वाराणसी, रामलोचन राम मंडल सचिव वाराणसी, सूर्य प्रकाश पासवान ने भी सम्बोधित किया कार्यक्रम में सभापति मौर्य, अवनीश कुशवाहा रामनारायण प्रजापति, जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ नीतू मौर्या, विनोद मौर्य, विजय मल, सुबास मौर्य, गुलाब सिंह, श्रीपति विश्वकर्मा ,लक्ष्मण मौर्य, प्रदीप चौहान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे संचालन जिला महासचिव रवि रंजन शाक्य ने किया।

मान्यता प्राप्त स्कूलों के संगठन बेसिक शिक्षा समिति के प्रदेशाध्यक्षः जगदीश चंद्र

सक्सेना के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के द्वारा मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बरेली। मान्यता प्राप्त स्कूलों के संगठन बेसिक शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष जगदीश चन्द्र सक्सेना के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन दिया और चेतावनी दी कि अगर एक सितंबर तक मांगें नहीं मानी गयीं तो समिति आन्दोलन को बाध्य होगी जिसका उत्तरदायित्व शासन का होगा। समिति की मुख्य मांगें हैं कि

कक्षा आठ तक पठन पाठन की अनुमति दी जाये, काले शासनादेश दिनांक 11–01–19 की शर्तों की पूर्ति से मान्यता प्राप्त स्कूलों को मुक्त किया जाये, शिक्षा के अधिकार के अन्तर्गत स्कूलों को सालों से रुकी शुल्क प्रतिपूर्ति का अधावधि भुगतान हो, नई शिक्षा नीति में बच्चों की पढ़ाई नर्सरी से शुरू होगी अतः कक्षा एक से मान्यता प्राप्त स्कूलों की मान्यता कक्षा नर्सरी से की जाये, कोरोना महामारी के कारण बन्द स्कूलों का बिजली बिल व्यवसायिक उपयोग करने की माफ हो। यदि किसी स्कूल, स्कूल संचालक, शिक्षक या शिक्षणेत्तर कर्मचारी के विरुद्ध किसी बैंक, वित्तीय संस्थान ने जिलाधिकारी को वसूली पत्र भेजा हो तो उसकी वसूली पर स्कूल खुलने के छः माह बाद तक रोक लगे। इसी प्रकार स्कूलों के वाहन, भवन आदि ऋणों की किश्तें भी बिना व्याज के उक्त समयावधि के लिए स्थगित की जायें। समिति ने स्कूल बन्दी के दौरान स्कूल वाहन व भवन का भी छूट चांही है। समिति का कहना है कि स्कूलों से स्थानीय निकाय सम्पत्ति कर न वसूलें और गैर सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों पर सूचना का अधिकार न थोपा जाय। समिति के अनुसार ऐसे स्कूल जिनको मार्च 20 से अभिभावकों से कोई शुल्क नहीं मिल रहा उनके संचालक, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी छोटा मोटा काम कर बमुश्किल दो समय की रोटी का इंतजाम कर पा रहें हैं अतः सरकार इन्हें एकमुश्त गुजारा भत्ता दे। कोरोना से किसी स्कूल परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो गई हो तो उसके आश्रित को रु दस लाख की सहायता दी जाय। हमारे सदस्य स्कूल पहले से ही कोरोना से मृत के आश्रित को कक्षा आठ तक निःशुल्क शिक्षा दे रहे हैं। ज्ञापन देने हेतु प्रदेश पदाधिकारी जगदीश चन्द्र सक्सेना, सुरेश कुमार यादव, डा कदीर अहमद, अभय सिंह भटनागर, छत्र पाल गंगवार, पंकज कुमार सक्सेना, अरविंद गौड़, अभिषेक द्विवेदी, नरेश गंगवार, संजय पौल, रिंकेश सौरखिया, प्रदीप कुमार गुप्ता, के के शर्मा, प्रज्ञा सक्सेना , नवीन कुमार ,डा अनुराग सक्सेना, नीरज रस्तोगी, ओमकार सिंह यदुवंशी, वसीम अकरम, डा कासिम ऐड़ आदि उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन के आरोपी को भाजपा विधायक के बेटे ने बीच सड़क में पीटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। के बर्रा 8 की बस्ती में छेड़खानी के एक आरोपी को बीजेपी विधायक महेश त्रिवेदी के बेटे और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर जमकर पीटा। मौके पर खड़ी पुलिस मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रह गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामला दो अलग–अलग समुदाय से जुड़े होने पर सांप्रदायिक तनाव फैलने का डर है। ऐसे में प्रशासन ने मौके पर पीएसी तैनात कर दी है। पुलिस ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। मामला बर्रा–8 की बस्ती का है। यहां रहने वाली एक किशोरी के परिजनों ने बस्ती के तीन युवकों पर छेड़छाड़ और 20 हजार रुपए देकर धर्म परिवर्तन कराने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। किशोरी की मां ने इसकी शिकायत विधायक महेश त्रिवेदी से की थी। इसके बाद बर्रा पुलिस ने 31 जुलाई को आरोपी सद्दाम, सलमान और मुकुल के खिलाफ छेड़खानी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। पीड़ित परिवार का कहना था कि जबरन धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने के बाद भी पुलिस ने संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज नहीं की और आरोपियों को गिरफ्तार भी नहीं किया। इसी बात को लेकर भाजपा से किदवई नगर विधासनभा के विधायक महेश त्रिवेदी के बेटे शुभम त्रिवेदी, बजरंग दल के कार्यकर्ता और

इलाके के लोगों ने बुधवार शाम को इलाके के रामगोपाल चौराहा पर एकजुट होकर पहले हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के हंगामे की सूचना पाकर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। इस बीच विधायक के बेटे और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस से नोकझोंक करते हुए एक आरोपी को घर से खींचकर बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसे पुलिस के सामने ही जमकर पीटा। उसे खींचते हुए चौराहे तक खींचकर लाए। मौके पर मौजूद पुलिस उसे किसी तरह छुड़ाकर थाने ले गई। माहौल बिगड़ता देख कानपुर पुलिस कमिश्नर असीम अरुण ने पीएसी और कई थानों की फोर्स तैनात कर दी। डीसीपी साउथ रवीना त्यागी ने बताया कि 12.07.2021 को छेड़खानी और धर्मांतरण के आरोपी की पत्नी कुरैशा बेगम ने धर्मांतरण का आरोप लगाने वाली महिला और उसके पति के खिलाफ बर्रा पुलिस ने मारपीट की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद दूसरे पक्ष से 31 जुलाई को तीनों भाई सद्दाम, सलमान और मुकुल के खिलाफ छेड़खानी समेत अन्य धाराओं में क्रॉस एफआईआर दर्ज कराई। बर्रा थाने की पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। डीसीपी साउथ ने बताया कि प्रदर्शन स्थल से 500 मीटर दूर अजय बैंड वाले उसके बेटे डॉन और 8–10 अज्ञात व्यक्तियों ने धर्मांतरण के आरोपी अफसर अहमद के साथ मारपीट की। सूचना मिलते ही पुलिस बल वहां पहुंचा और अफसार अहमद को सुरक्षित करते हुए थाने लाया गया। इसके बाद अफसार की तहरीर पर मारपीट करने वालों के खिलाफ मारपीट, बलवा, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। मौके पर मौजूद बजरंग दल के जिला संयोजक दिलीप सिंह बजरंगी ने कहा कि पुलिस इंसाफ नहीं करेगी तो वह अपनी बहन–बेटियों पर अत्याचार होते हुए नहीं देख सकते हैं। इसके बाद भी पुलिस ने उन्हें आरोपी नहीं बनाया।

योगी के लेखपाल हुए बेलगाम, आय मूल के नाम पर चांदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बरेली। प्रदेश में योगी सरकार के होने के बावजूद भी भ्रष्टाचार

अपनी चरम सीमा पर है इसी क्रम में विद्यालय खुलने वन में एडमिशन दिल्ली ने के दौरान छात्रों व अन्य विभिन्न कार्यों में लगने वाले आय प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र व मूल निवास प्रमाण पत्रों को लेकर जनता में खलबली मची हुई है। इस दौरान अशिक्षित जनता के बीच लोगों से जिम्मेदार लेखपालों आदि द्वारा घूसखोरी चरम सीमा पर है। बरेली जिले के ग्राम पंचायत लंगूरा विकासखंड आलमपुर जाफराबाद तहसील आंवला के ग्राम प्रधान वीरेंद्र पुत्र साधू राम ने क्षेत्र के लेखपाल रिंकू राणा व उसके निलंबित पति सिपाही मोहित यादव कि भ्रष्टाचारी को लेकर जिला अधिकारी बरेली बा एसएसपी बरेली से शिकायत की है ग्राम प्रधान का उक्त लेखपाल पर सीधा सीधा आरोप है जिले की जनता में जो सरकारी सुविधाओं के पात्र हैं उनकी रिपोर्ट बा सरकारी योजनाओं में लगने वाले सत्यापित कागजातों में रिपोर्ट लगाने की एवज में धन उगाही कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं में लाभ लेने के लिए जनता यह लोग ऑनलाइन जो प्रमाणित दस्तावेज बनवाने के एवज में लेखपालों के चक्कर लगा रहे हैं इसी के चलते लेखपाल अघोरी जनता से रिपोर्ट लगाने के नाम पर धन उगाही में व्यस्त हैं और रिपोर्ट के अवध में ली गई धनराशि के बावजूद भी बिना झोपड़पट्टी वाले गरीब जनता को अपात्र प्रमाण पत्र थमा दे रहे हैं इसी शिकायत को लेकर ग्राम प्रधान लंगूरा ने आज लिखित शिकायत ही प्रार्थना पत्र देकर जिलाधिकारी बरेली एसएसपी बरेली से न्याय की गुहार लगाई।

शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया में कुँवर विवेक पाल बने बुंदेलखंड प्रदेश महासचिव

एस.टी.एफ.इंडिया में विष्णु दयाल पाल बने जिला अध्यक्ष हमीरपुर

दैनिक बुद्ध का संदेश

हमीरपुर। विवेक पाल के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर सामाजिक सक्रियता वह लगन को देखते हुए शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेफर्ड धामू पाल के निर्देश पर एवं प्रदेश कार्यकारिणी की सहमति से कुँवर विवेक पाल को शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया में बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश में प्रदेश महासचिव एवं श्री विष्णु दयाल पाल को हमीरपुर जिला का जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया संगठन को आशा और पूर्ण विश्वास है कि आप के नेतृत्व में समूचे बुंदेलखंड और हमीरपुर जिले में कार्यकारिणी का जल्द से जल्द गठन किया जाएगा। नवनियुक्त बुंदेलखंड प्रदेश महासचिव विवेक पाल जी और जिला अध्यक्ष विष्णु दयाल पाल ने कहा शीर्ष नेतृत्व ने हमें जो भी जिम्मेदारियां दिया है हम इसका बखूबी तरह से पालन करेंगे और संगठन के उद्देश्य और नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया संगठन के पदाधिकारियों ने फोन के माध्यम से बधाई और शुभकामनाएं दिया। राष्ट्रीय प्रभारी श्रीकांत पाल राष्ट्रीय सचिव राजीव कुमार पाल बुंदेलखंड प्रभारी मुकेश कुमार पाल जी इंजीनियर शिव सिंह पाल प्रदेश प्रवक्ता बुंदेलखंड अनूप कुमार पाल रामेश्वर पाल नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हमीरपुर विष्णु पाल आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त किया। यह जानकारी शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया संगठन के मीडिया प्रभारी राजेश कुमार पाल जी ने दिया।

शान्ति ब्यवस्था से मनाएँ त्यौहार– एस एस आई विनोद कुमार यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र बारीमहेवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में एस एस आई विनोद कुमार यादव तथा एस आई शेषनाथ यादव की उपस्थिति में पीस कमेटी की बैठक हुई ,जिसमें शान्ति ब्यवस्था कायम रखने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। यादव ने उपस्थित लोगों से कहा कि आने वाला त्योहार मुहर्रम पर जुलूस व ताजिया नहीं निकली जाय। मुसलमान भाई अपने अपने घरों में फातिया करें, ताजिया की मिट्टी लाने के लिए एक लोग ही जायेंगे। चौक पर फातिया नही होगी न तो भीड़ लगाना है । इसका पालन सबको करना होगा स ग्राम पंचायत स्तर पर दस लोगों की निगरानी समिति बनायी जाय जिसमें ग्राम पंचायत के हर गांवों से दो –तीन की संख्या में लोगों शामिल किया जाय ।गाँव के हर घर के छोटे छोटे मामलों को आपस में मिल

बैठ कर हल करने का प्रयास करें।जमीन सम्बन्धित मामलों पर विवाद कत्तई ना करें।इसके लिए राजस्व विभाग है। लेखपाल, कानूनगो, तहसील दार इस मामले को हल करेगे।आवांछित तत्वों पर निगरानी समिति के लोगों द्वारा ध्यान दिया जाय।ऐसे संदिग्ध लोगों की सूचना बिना भय के थाने पर दी जाय। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने में पुलिस का सहयोग करें। 1090 की विस्तृत जानकारी देते हुए कहे कि बहन बेटियाँ सुरक्षित रहें।इसके लिए जागरूक करने का प्रयास करें। विद्यालय सोलह अगस्त से खुल रहे हैं।विद्यालयों में भी हम जाकर छात्राओं को जागरूक करेंगे। मनचलों पर लगाम लगाने के लिए ही यह नम्बर बनाया गया है ताकि बीना झिझक बहन बेटियाँ घरों से बाहर निकल सकें। शान्ति ब्यवस्था को बिगाड़ने वालों की खैर नहीं। इस दौरान बंस नारायण प्रधान, सरफराज अहमद, सेराज खान, उस्मान गनी, महेंद्र कुमार, गुड्डू, नदीम ,सफीक, सेराज खान, मुन्ना यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

सीडीओ ने बेहटा बुजुर्ग मिनी स्टेडियम घोटाले मामले मे ग्राम पंचायत अधिकारी निलंबित

ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बरेली। के व्लाक मझगवां के बेहटा बुजुर्ग के मिनी स्टेडियम

घोटाले मामले व अन्य प्रकरण मे सीडीओ ने एक ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित व ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया आपको बता दें मिनी स्टेडियम मे लगाई जा रही घटिया सामग्री के संबंध मे भारतीय मोदी यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष तपस्वी विजय देवनाथ ने बीते मंगलवार को एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी मझगवां को दिया था खंड विकास अधिकारी ने जांचोपरांत कार्यवाही की बात कही थी तपस्वी विजयदेवनाथ के द्वारा स्टेडियम घोटाले को लेकर लगातार बीडियो भी शोशल मीडिया पर वायरल किये जा रहे जिसको लेकर क्षेत्र मे तरह तरह की चर्चाएं व विभाग मे हड़कंप मचा हुआ था बुधवार को जनपद के जिला मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग ने खेल मैदान (मिनी स्टेडियम) व अन्य कार्यों का निरीक्षण किया तो निर्माण कार्य की गति धीमी बताई और घटिया सामग्री की बात सामने आने पर नाराजगी जताते हुये ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित और ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड के निर्देश दिये।

कांग्रेसियों ने कानपुर की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिये पुलिस कमिश्नर को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। शहर में बदहला ट्रैफिक व्यवस्था और जाम से लोगों की परेशानी देखते हुए कांग्रेसी आगे हैं। गुरुवार को क्रांग्रेसियों ने पुलिस कमिश्नर असीम अरुण को ज्ञापन देकर ट्रैफिक की बदहल व्यवस्था का निदान मांगा। शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर दक्षिण के अध्यक्ष डॉ शैलेंद्र दीक्षित ने उन्हें कानपुर की बदहाल यातायात व्यवस्था से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से डॉ शैलेंद्र दीक्षित ने पुलिस कमिश्नर को कानपुर की त्रुटिपूर्ण ट्रैफिक सिग्नल व्यवस्था, जेबरा क्रॉसिंग के अभाव एवं रेड लाइट के संकेत ना होने से जनता के गलत तरीके से होने वाले ई–चालान के बारे में बताया। डॉ दीक्षित ने बताया कि चौराहे–चौराहे पुलिस जनता का उत्पीड़न कर रही है पूरा शहर जाम से त्रस्त है, नो एंट्री के

समय में भी शहर में बड़ी गाड़ियां धड़ल्ले से घूमती रहती हैं जिसके कारण कुछ दिनों पहले माल रोड पर शिक्षिका और उसके लड़के की मौत हो गई। डॉ दीक्षित ने पुलिस कमिश्नर द्वारा सम्मानित बुजुर्गों की रक्षार्थ जो अभियान चलाया जा रहा है व इससे पूर्व कोरोना काल में पुलिस द्वारा चलाई गई स्वास्थ्य सेवाओं के लिए असीम अरुण जी को प्रशंसा पत्र भेंट किया। पुलिस कमिश्नर ने ज्ञापन लेने के बाद आश्वासन दिया कि रेड लाइट वाले चौराहों पर तुरंत जेबरा क्रॉसिंग बनवाई जाएगी जिससे ई–चालान में होने वाली गड़बड़ी को रोका जाए। खराब सिग्नलों को जल्द ही कार्यदायी संस्था से सही करवाया जाएगा। पुलिस द्वारा जनता के उत्पीड़न के मुद्दे पर तुरंत जांच करवाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से विनोद सिंह, डॉ निसार अहमद सिद्दीकी, विवेक सिंह, कुक्कू चंदेल, अनूप भाटिया, डॉ इमरान, आदर्श दीक्षित, विनय मिश्रा, दिनेश तिवारी, बृजेश गुप्ता, महेंद्र बाजपेई आदि लोग शामिल थे।

विद्युत पोल हुआ जमींदोज हादसे में एक व्यक्ति की मौत

विजली विभाग की लापरवाही से हुआ हादसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

हाटा/कुशीनगर। विधानसभा क्षेत्र हाटा अंतर्गत नगरपालिका परिषद हाटा के पिपरा कपूर निवासी जय पासवान साईकिल से जा रहे थे कि अचानक पेड़ के टकराव से पोल गिर जाने से इनकी मृत्यु हो गयी तत्काल मौके पर पहुंचे सपा के पूर्व राज्यमंत्री राधेश्याम सिंह ने जिलाधिकारी कुशीनगर से फोन पर बात करके बताया कि हादसे के बाद भी कोई प्रशासनिक अधिकारी यहां नही पहुँचा अगर 30 मिनट तक के अन्दर कोई नहीं आया तो राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करूँगा सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक पवन केडिया अस्पताल पहुँचकर स्थिति का जायजा लेते हुए अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किये उपजिलाधिकारी हाटा प्रमोद तिवारी व उपखण्ड अधिकारी हाटा इंजीनियर पी जायसवाल मौके पहुंच घटना का जायजा लिया, इस दौरान क्षेत्रीय विधायक पवन केडिया नपा अध्यक्ष मोहन वर्मा सन्तोष श्रीवास्तव मनोनीत सभासद मुंशी सिंह बूथ अध्यक्ष सुबास सिंह ऋतेश नथानी मनीष रूंगटा सभासद रणजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों की बिक्री के लिए उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र का उदघाटन किया गया:प्रेमावती

हरदोई। उपायुक्त एनआरएलएम विपिन चौधरी ने बताया है कि आज 11 अगस्त को जनपद के विकास भवन परिसर में राष्ट्रीय ग्रमीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों की बिक्री के लिए उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र का उदघाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, जिलाधिकारी अविनाश कुमार और मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना द्वारा फीता काटकर किया गया। उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र में स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित देशी घी, सरसों का तेल, अचार, बेसन, उर्द, मसूर, चने की दाल, भून कर बनाई गई अरहर की दाल के साथ–साथ एल०ई०डी बल्ब, बैग, दरी, टेडीबियर, ड्राई फ्लावर, ट्राइकोडर्मा, टॉयलेट क्लीनर, गोबर गमला आदि विभिन्न प्रकार के गृह उपयोगी सामान विक्रय हेतु रखे गए हैं। इस प्रकार उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र का संचालन विकास खण्ड सुरसा की ग्राम पंचायत मन्नापुरवा के बालाजी स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र के नवनिर्मित प्रेरणा कैंटीन का उदघाटन भी किया गया। इस कैंटीन का संचालन भी नियमित रूप से स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जाएगा जिसमे शुद्धता एवं गुणवत्ता के साथ खाने–पीने की सामग्री, चाय, नाश्ता आदि उपलब्ध रहेगा। उत्पाद प्रदर्शन एवं विपणन केंद्र के लगभग 40 स्वयं सहायता समूहों को उत्पाद बिक्री के लिए एक मंच प्राप्त हुआ है। इससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं सहायता समूहों के लगभग 500 परिवारों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सामान्य जन को भी शुद्ध और सही सामान गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर समाजसेवी पीके वर्मा, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण राजेन्द्र श्रीवास, जिला विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह, उपायुक्त मनरेगा प्रमोद कुमार चंद्रौल आदि उपस्थित रहे।

बाप ने बेटे की हत्या कर शव रजबहे में फेंका

हरदोई।जिले में एक साल के मासूम बालक के कत्ल की सनसनीखेज वारदात सामने आयी है।एक बाप ने अपने मासूम बेटे की बेरहमी से हत्या महज इसलिए कर दी कि उसे मासूम बालक के लिए दूध ना लाना पड़े।दरअसल आरोपी युवक की पत्नी ने उससे मासूम बेटे के लिए दूध का डिब्बा लाने के लिए कहा था। बस इसी बात से युवक इतना खफा हो गया कि वह मासूम को लेकर अपने घर से भाग गया। युवक ने मासूम की गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसके शव को माइनर में फेंक दिया।पत्नी ने पूरे मामले की शिकायत इलाकाई पुलिस से की।इलाकाई पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने सारी कहानी बयां कर दी।फिलहाल पुलिस अब माइनर में मासूम बालक के शव की तलाश में जुटी है। जिले के थाना बेहटा गोकुल इलाके के दौलतपुर गांव का है।दरअसल इसी गांव के रहने वाले अमर सिंह और बबली का बेटा हंस जिसकी उम्र महज एक साल थी।बताया जा रहा है कि अमर सिंह नशे का आदी है। विगत शनिवार को बबली ने हंस के लिए दूध का डिब्बा लाने के लिए कहा,जिस पर अमर सिंह इतना गुस्सा हो गया कि पहले उसने पत्नी के साथ मारपीट की और फिर हंस को उठा कर घर से भाग गया। इस दौरान बबली अपने बेटे को तलाश करती रही लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। बबली ने अमर सिंह को गांव के बाहर पकड़ लिया और बेटे के बारे में पूछा लेकिन उसने कुछ नहीं बताया।बबली ने मामले की सूचना इलाकाई पुलिस को दी। जिसके बाद इलाकाई पुलिस ने अमर सिंह से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। अमर सिंह ने पुलिस को बताया कि उसने हंस की हत्या करने के बाद उसके शव को माइनर में फेंक दिया था और फरार हो गया। बबली की तहरीर पर पुलिस ने बेटे के कातिल बाप के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और मासूम के शव की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मासूम बालक के शव की तलाश की जाएगी।

अपराधी,माफिया नहीं चलेंगे बाबा की सरकार में

हरदोई।विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में थाना टडियावां ग्राम रमुआपुर साखिन निवासी दुर्दांत अपराधी मोहम्मद हसीब उर्फ छोटे गाजी जो कि एक बहुत बड़ा अपराधी है उसने अपराध के माध्यम से ही एक बहुत बड़ा साम्राज्य व बेनामी संपत्ति एकत्र की है उसके ऊपर संगीन धाराओं में अलग–अलग थानों में 20 मुकदमें भी पंजीकृत हैं। अब हालात इस कदर बदतर हो गए हैं कि कोई भी व्यक्ति उसके खिलाफ आवाज उठाने व मुकदमा लिखवाने की जुर्रत नहीं करता है उसका एक पारिवारिक सदस्य प्रशासन में किसी उच्च पद पर है जिस कारण जिला प्रशासन भी उसके खिलाफ कार्यवाही करने से कतराता रहता है। उक्त व्यक्ति की दहशत गांव में इस तरीके से व्याप्त है कि कोई भी उस गांव में उसके खिलाफ आवाज नही उठा पा रहा है।चाहे वह किसी पर फायर करे, लोगों को पेड़ में बांधकर मारता है। कई हिंदू लड़कियों को अगवा कर जबरन अपने घर में रखे हुए है व शादी कर ली उसकी कोई भी शिकायत प्रशासन से करने में खुद को असहाय पाता है। ऐसा ही एक मामला उक्त अपराधी छोटे गाजी ने एक व्यक्ति को खुलेआम कल रजिस्ट्री ऑफिस से अगवा कर लिया, वह उसको मां बहन की गाली देते हुए कचहरी परिसर से उठा ले गया जिसकी सूचना पर कोतवाली शहर में मुकदमा पंजीकृत कराया गया।मुकदमा पंजीकृत होते ही उक्त अपराधी व अपराधी के साथी उस व्यक्ति को जबरन अपने साथ उठा ले गए व एफिडेविट दिलवा दिया।ऐसे व्यक्ति के खिलाफ गांव में बेहद दहशत बनी हुई है व ऐसे व्यक्तियों का समाज में रहना समाज हित में नहीं है तथा सरकार के भयमुक्त वातावरण को चुनौती देने वाले हैं। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने पूरे मामले को संज्ञान में लेकर उक्त व्यक्ति के खिलाफ डीएम व कप्तान को अवगत कराया व समस्त हिंदुओं के मान सम्मान की रक्षा हेतु यथोचित कार्यवाही करने की मांग की। इस मौके पर मुख्य रूप से हर्षवर्धन सिंह प्रांत उपाध्यक्ष विहिप कीर्ति सिंह जिला अध्यक्ष विहिप, अनुराग द्विवेदी अन्नू जिला संयोजक बजरंग दल, अवनीश द्विवेदी प्रांत कार्यकारिणी सदस्य विहिप, ओपी सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता रमुआपुर सखिन के मौजूद रहे।

पत्रावली गायब करने के आरोप में लेखपाल को किया गया निलंबित, एफआईआर के आदेश

हरदोई। जिले में बैनामा संबंधी पत्रावली गायब करने के आरोप में प्रशासन ने लेखपाल को निलंबित कर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।दरअसल एक महिला ने जमीन खरीदी थी,जिसका दाखिल खारिज होना था। लेखपाल के पास महिला चक्कर लगाती रही,लेकिन लेखपाल ने उसको बेवकूफ बनाया और पत्रावली गायब कर दी।पीड़ित महिला ने पूरे मामले की शिकायत प्रशासन से की।जिसके बाद पूरे मामले की जांच कराई गई तो महिला के आरोप सही पाया गए। इस मामले में एसओसी ने चकबंदी लेखपाल को निलंबित कर दिया,साथ ही उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। जिले के तहसील बिलग्राम इलाके के बलेहरा कमालपुर गांव का है।जहां तैनात चकबंदी लेखपाल सौरभ को पत्रावली गायब करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।दरअसल इसी गांव में चकबंदी लेखपाल सौरभ की तैनाती थी।गांव निवासी मीना पत्नी पुत्ती लाल ने एक जमीन का बैनामा कराया था।जमीन की रजिस्ट्री के बाद जमीन का दाखिल खारिज किया जाना था। इसको लेकर महिला लेखपाल के चक्कर लगाती रही। लेखपाल सौरभ ने दाखिल खारिज कराने का आश्वासन दिया।कई महीनों तक महिला को बेवकूफ बनाया और अंत में पत्रावली खो जाने की बात कह दी।जानबूझकर लेखपाल की धोखाधड़ी का शिकार हुई। महिला ने पूरे मामले की शिकायत जिला प्रशासन से की। जिसके बाद प्रशासन के आदेश पर एसओसी को पूरे मामले की जांच दी गई।एसओसी की जांच में महिला के द्वारा पत्रावली गायब करने के आरोप सही पाए गए।जिसके बाद चकबंदी लेखपाल को नियुक्ति प्राधिकारी एसओसी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और चकबंदी अधिकारी बिलग्राम को सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

16 को मनेगा पूर्वांचल सावन महोत्सव

जौनपुर। कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की मंशानुसार एवं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत पूर्वांचल सावन महोत्सव का आयोजन 16 अगस्त को कोविड 19 के नियमों के पालन के साथ विश्वविद्यालय परिसर के मुक्तांगन में किया जा रहा है। इस आयोजन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित उत्पादों एवं खाद्य सामग्री का स्टाल लगाया जाएगा। महोत्सव में राखी ,अगरबत्ती, दीए, खिलौने, मिठाइयां , चाट इत्यादि सामग्रियों के स्टाल लगाए जाएंगे ।कार्यक्रम की संयोजक प्रभारी महिला अध्ययन केंद्र डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि इच्छुक महिलाएं अपना रजिस्ट्रेशन 7905398229 पर कॉल करके या वेबसाइट पर जाकर कर सकतीं हैं। रजिस्ट्रेशन 13 अगस्त की शाम तक किया जा सकता हैं। विश्वविद्यालय स्टाल लगाने हेतु कोई शुल्क नहीं ले रहा है।पूर्वांचल सावन महोत्सव में पारंपरिक झूले भी लगेंगे। महोत्सव को सावनमय बनाने के लिए कजरी का भी आयोजन किया गया है।

सड़क डूबने से बाजारवासी खफा

जौनपुर। कजगांव नगर पंचायत के सादात मसौड़ा बाजार में नालियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण सड़क पर पानी डूबा रहता है जिससे आने जाने वाले लोगों को काफी विकट कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । इस समस्या पर खफा बाजार वासियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया । बताया कि बारिश के साथ–साथ बराबर सड़क पर गन्दा पानी का जल जमाव बना हुआ है, पानी के कारण ग्रामीणों को आने जाने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है सबसे परेशानी छोटे–छोटे बच्चों को होती है जब वह जाते हैं तो गिरकर उनके कपड़े खराब हो जाते हैं जल जमाव के कारण लोग मच्छर के प्रकोप से भी परेशान हैं । अगर समय रहते पानी निकासी की व्यवस्था नहीं किया गया तो आने वाले समय में महामारी जैसी बीमारी की समस्या उत्पन्न हो सकती है ऐसे में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित तमाम अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया लेकिन आज तक इसका निजात बाजार वासी नहीं पा सके । बाजार वासियों का कहना है कि अधिकारी तथा सांसद–विधायक सहित शासन–प्रशासन व जन प्रतिनिधि भी कुम्भ कर्णी निद्रा में लीन हैं। इस दौरान सुरेंद्र कुमार विश्वकर्मा,गुड्डू अंसारी,अनवर शाह,शोमनाथ शर्मा,छोटे अंसारी, उमाशंकर विश्वकर्मा,दिलशाद सहित सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एबीवीपी चलाएगी एक गांव एक तिरंगा अभियान

जौनपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने लाइन बाजार स्थित डाक बंगले पर प्रेस वार्ता की। जिला संयोजक उद्देश्य सिंह ने बताया की राष्ट्रवाद की अलख जगाने के लिए एबीवीपी एक गांव एक तिरंगा अभियान चलाएगी।जिसके माध्यम से जिले के कार्यकता जिले के 81 गांवों, सेवाबस्तियों,वृद्घा आश्रमों व अनाथालयों में जाकर तिरंगा फहराएंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर राष्ट्रवाद की अलख जगाना है।गांव के लोगों के बीच यह अभियान चलाया जाएगा और इसने गांव के लोगों को शामिल किया जाएगा। इसमें हर वर्ग के लोगों को शामिल कर आजादी के 75वें स्वाधीनता दिवस की वर्षगांठ का जश्न मनाया जाएगा।इस कार्यक्रम के लिए प्रत्येक गांव में तिरंगा फहराने के लिए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम प्रमुख शशांक दुबे,अभिषेक त्रिपाठी,पवन सोनकर,रवि विश्वकर्मा,कौतुक उपाध्याय उपस्थित रहे।

सुन्दरकांड पाठ का आयोजन

जौनपुर। सेवा और संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत ` भारत विकास परिषद् शाखा जौनपुर द्वारा सुन्दरकांड पाठ नगर के उर्दू बाजार स्थित शिव गुप्ता के आवास पर हुआ। पूर्व अध्यक्ष भृगुनाथ पाठक ने कहा कि सावन माह शिव जी का माना जाता है। उन्हीं के 11वां रूद्रावतार हनुमान जी की पूजा अर्चना से मन प्रफुल्लित और शान्त होता है। शाखा अध्यक्ष अवधेश गिरि ने सभी श्रद्धालु और शाखा सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सुन्दर काण्ड पाठ एवं आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर दिलीप जायसवाल, शरद साहू, नीरज श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, विक्रम गुप्त, डा. गौरव प्रकाश, अतुल जायसवाल, रमेश श्रीवास्तव, शरद साहू, ममता साहू, साधना जायसवाल, मीनू श्रीवास्तव, डा. तूलिका, पूनम श्रीवास्तव, बबिता जायसवाल आदि उपस्थित रहे। संयोजन शिव गुप्ता ने किया।

डीएम ने किया विकास भवन में स्थित कार्यालयों का निरीक्षण

सभी को दिये कुशलतापूर्वक विभागीय कार्यों को निस्तारित करने हेतु निर्देश

उन्नाव। डीएम रवीन्द्र कुमार ने विकास भवन में स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियोंध कर्मचारियों की उपस्थिति के सम्बन्ध ा में जानकारी ली। डीएम ने सर्वप्रथम डिस्पैच कक्ष का निरीक्षण किया, जिसमें महिला कर्मी उपस्थित मिली उनसे उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली गयी। उपस्थित महिला कर्मी द्वारा अवगत कराया गया कि डिस्पैच काउन्टर पर मुख्य विकास अधिकारी व जिला विकास अधिकारी से सम्बन्धित डाक ली जाती है। विकास भवन में आने वाले व्यक्तियों द्वारा कार्यालय आदि की जानकारी करने पर उनके द्वारा अवगत कराये जाने के सम्बन्ध में जानकारी करने पर अवगत कराया जाना बताया गया। डीएम द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि डिस्पैच कक्ष के बाहर हेल्प डेस्क अथवा सहायता केन्द्र लिखवाया जाये तथा आने वाले व्यक्तियों द्वारा कार्यालय आदि के सम्बन्ध में जानकारी करने पर उन्हें सही जानकारी दी जाये। डीएम ने जिला विकास अधिकारी का कक्ष खुलवा कर देखा जिस पर जिला विकास अधिकारी अनुपस्थित मिले। जानकारी करने पर विकास खण्ड नवाबगंज में बैठक लेना बताया गया। सहायक आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता के कक्ष का निरीक्षण के दौरान उनके कक्ष के बाहर जनता से मिलने का समय 09 बजे से 11 बजे का लिखा पाया गया जिस पर डीएम द्वारा सहायक आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता को समय पट्टिका पर लिखे समय को तत्काल ठीक कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। डीएम द्वारा जिला कृषि अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी व परियोजना अधिकारी डूडा के कक्ष के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये जाने पर जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा से सम्बन्धित ड्यूटी में होना बताया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास एवं पुष्टाहार के कक्ष के निरीक्षण के दौरान वे उपस्थित पाये गये। डीएम ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय से कार्यालय आने व विभागीय कार्यों का निस्तारण ससमय व कुशलतापूर्वक करने हेतु निर्देशित किया।

12 कॉलेजों के 912 बीएड परीक्षार्थी अब यूनिवर्सिटी में देंगे परीक्षा

उन्नाव। बीएड द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राओं की अब आगे की सभी परीक्षाएं कानपुर यूनिवर्सिटी में कराई जाएगी। अभी तक 12 कॉलेजों के 912 बीएड परीक्षार्थियों की परीक्षा डीएसएन में कराई जा रही थी। कोरोना गाइडलाइन का पालन न होने पर आगे की सभी परीक्षाओं को यूनिवर्सिटी में कराने का निर्णय लिया गया है। .परीक्षा नियंत्रक अंजनी कुमार मिश्र की ओर से जारी हुए पत्र में यह बदलाव किया गया है। जिसमें डीएसएन कॉलेज में सम्बद्ध महाविद्यालयों में खालसा कॉलेज चमरौली, अशोक महाविद्यालय गंजमुरादपुर, श्री ठाकुर जी महाराज महाविद्यालय पुरवा का परीक्षा केन्द्र यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज विश्वविद्यालय परिसर कानुपर बनाया गया है। जबकि डीएसएन कॉलेज, राम समुझ गुरुकुल महाविद्यालय, डॉ. हरिवंश रॉय बच्चन, सदगुरु डिग्री कॉलेज ध ाानीखेड़ा, अमर शहीद रामराव सिंह बख्श महाविद्यालय गौरीबिहार, बाबू जय शंकर गया प्रसाद का परीक्षा केन्द्र लेक्चर हॉल एल–1 यूआईईटी विश्वविद्यालय परिसर रहेगा। वहीं शिवशंकर सिंह शिवराम सिंह वीर सिंहपुर, श्री रामबाबू पांडेय डिग्री कॉलेज व रघुराजा राम गोपाल महाविद्यालय बहुराजमऊ का सेंटर पुराना मूल्यांकन भवन विश्वविद्यालय परिसर को बनाया गया है। सुबह 11 से 1:30 बजे तक आयोजित परीक्षा शांति पूर्ण ढ़ग से सम्पन्नः जिले के 16 केन्द्रों पर नवोदय चयन प्रवेश परीक्षा शांति पूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराई गई। सभी केन्द्रों पर पंजीकृत 3732 में 1338 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जबकि 2394 परीक्षार्थी ऐसे रहे जो परीक्षा में गैरहाजिर रहे। होने वाली परीक्षा में गंजमुरादाबाद के 122 परीक्षार्थी जीजीआईसी गंजमुरादाबाद, बांगरमऊ के 426 परीक्षार्थी सुभाष इंटर कॉलेज बांगमरऊ, एफ–चौरासी के 499 परीक्षार्थी महात्मा गांधी इंकॉ सफीपुर, सफीपुर के 223 परीक्षार्थी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सफीपुर, औरास के 69 परीक्षार्थी राजकीय इंटर कॉलेज इनायतपुर बर्रा, मियांगज के 227 परीक्षार्थी गांधी स्मारक हायर सेंकेन्ड्ररी स्कूल रसूलाबाद, हसनगंज के 118 परीक्षार्थी एचएमकेडी इंकॉ मोहान, नवाबगंज के 162 परीक्षार्थी जीजीआईसी चमरौली, सिकंदपुर सरोसी के 312 परीक्षार्थी जीजीआईसी उन्नाव, बिछिया के 214 परीक्षार्थी अटल बिहारी इंकॉ उन्नाव, सिकंदरपुरकर्ण के 180 परीक्षार्थी जीआईसी उन्नाव, असोहा के 202 परीक्षार्थी आदर्श इंटर कॉलेज पाठकपुर, हिलौली के 321 परीक्षार्थी केएनपीएन इंकॉ मौरावां, पुरवा के 80 परीक्षार्थी एमआरआरएस इंकॉ पुरवा, बीघापुर में 237 परीक्षार्थी पार्वती बालिका इंकॉ बीघापुर व सुमेरपुर ब्लॉक के 340 परीक्षार्थी महात्मा गांधी इंकॉ पाटन में परीक्षा देने के लिए पंजीकृत थे। जिसमें सभी केन्द्रों पर कुल 3732 परीक्षार्थी में केवल 1338 परीक्षा देने पहुंचे। परीक्षा का संचालन सीसीटीवी व स्टेटिक मजिस्ट्रेट की नजर में कराई गई।

राज्य पुरस्कार के लिए विश्वविद्यालय देगा प्रशिक्षण

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार मैं रोवर्स रेंजर्स की कार्यसमिति की वार्षिक बैठक कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में रोवर्स रेंजर्स की गतिविधियां अनिवार्य रूप से लागू किए जाने पर बल दिया गया । इस संबंध में कुलाधिपति कार्यालय से निर्देश भी प्राप्त हुआ है कि विश्वविद्यालय स्तर पर राज्य पुरस्कार एवं उप राष्ट्रपति पुरस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम रोवर्स रेंजर्स के परिसर में आयोजित किए जाएंगे । रोवर्स रेंजर्स गतिविधियों में मिशन शक्ति दहेज उन्मूलन अस्पृश्यता निवारण, वृक्षारोपण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण आदि गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर बल दिया गया। एक छात्र– एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत समस्त विद्यार्थियों का आवाह्न किया जाता है कि आप अपने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए छोटी–छोटी खुशियों को वृक्ष लगाकर वृक्ष दान देकर मनाने की आदत भी डालें। जनपदीय समागम और विश्वविद्यालय समागम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी नवंबर में आयोजित किए जाएंगे। रोवर्स रेंजर्स के संयोजक डॉ0 जगदेव ने वार्षिक एजेंडा को सदन के समक्ष रखा। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, कुलसचिव महेंद्र कुमार, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, आजमगढ़ , हीरालाल यादव, डॉ नूरतलअत, डॉ देवेंद्र प्रताप सिंह, समन्वयक राष्टीय सेवा योजना, डॉ झांसी मिश्रा, आर के जैन, नीरज एवं लक्ष्मी प्रसाद मौर्या आदि उपस्थित रहे।

लाइब्रेरी का निरीक्षण कर दिया निर्देश

जौनपुर । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा राजकीय पुस्तकालय एवं शाही पुल स्थित पुस्तकालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकों को कैटलॉग के हिसाब से रखने हेतु निर्देशित किया। राजकीय पुस्तकालय में गंदगी पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया साथ ही अनुपयोगी सामग्री, जिसका कोई उपयोग नहीं हैं उसे नियमानुसार निष्प्रयोज्य घोषित करने हेतु निर्देशित किया।

खराब कंप्यूटर को ठीक कराने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित को निर्देश दिया। उन्होंने पुस्तकालय अध्यक्ष बृजेश कुमार को निर्देश दिया कि पुस्तकालय में समाचार पत्र, मैगजीन, साहित्यिक पुस्तकें, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों को विशेष तौर पर शामिल करें जिससे कि अधिक से अधिक छात्र व छात्रायें इसका लाभ उठा सकें। जिलाधिकारी ने साफ–सफाई रखने के निर्देश दिए।

शाही पुल स्थित लाइब्रेरी के निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संतोष कुमार मिश्रा को निर्देश दिया कि लाइब्रेरी का नवीनीकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय हेतु 01 कंप्यूटर खरीद लिया जाए और लाइब्रेरी को पूरे दिन खोला जाए। पुस्तकों पर नम्बरिंग एवं कैटलॉग के हिसाब से रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

चकमार्ग पर कब्जे पर तीन पर मुकदमा

जौनपुर। डोभी विकास खण्ड के हीरापुर मचहटी गांव में चकमार्ग पर अतिक्रमण करने के आरोप में लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। ग्रामीणों की ओर से चकमार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत एसडीएम से की गई थी। एसडीएम के आदेश पर हल्का लेखपाल मनोज कुमार राय व राजस्व निरीक्षक अनुरुद्ध राम मौर्य ने पैमाइश की। पैमाइश में अतिक्रमण पाया गया। लेखपाल व राजस्व निरीक्षक ने चकमार्ग पर अतिक्रमण करने के आरोप में प्रेम प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश सिंह व देव प्रकाश सिंह निवासी हीरापुर मचहटी के विरुद्ध सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत थाने में मुकदमा दर्ज करने की तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

समाजसेवी के सहयोग से फिर लहराया तिरंगा

जौनपुर। कई माह से लोहिया पार्क ,कृषि भवन में राष्ट्रध्वज कईबार क्षतिग्रस्त हो चुका था। जिसकी चर्चा लगातार सोशल मीडिया पर चल रही थी। समाजसेवी ज्ञानप्रकाशसिंह के प्रतिनिधि शिवा सिंह के द्वारा ज्ञानप्रकाश सिंह को अवगत कराया गया। जिसको अविलंब संज्ञान में लेते हुए श्री सिंह के द्वारा दो राष्ट्रध्वज मुम्बई से विमान द्वारा जौनपुर भेजा गया। जिसे जिलाप्रशासन को अवगत कराते हुए जनपद जौनपुर के निवासी पुलवामा में शहीद हुए अमरशहीद जिलाजीत यादव की मां व बहन एवं उरी में शहीद हुए अमरशहीद राजेश सिंह जी के पिता के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उक्त अवसर पर अमरशहीदों के परिजनों को अधिशाषी अभियंता नगरपालिका संतोष कुमार मिश्रा व जिला उद्यान अधिकारी हरिशंकर राम के द्वारा स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। ध वजारोहण के पश्चात रामनिरंजन इंटर कालेज कचगांव जौनपुर के छ कैडेटों व उपस्थिति गणमान्य लोगों के द्वारा राष्ट्रध्वज को सलामी दी गयी व राष्ट्रगान किया गया। कार्यक्रम के समापन के उपरांत ज्ञानप्रकाश सिंह ने अमर शहीदों के परिजनों से मोबाइल से बात कर उनका कुशलक्षेम जाना व उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात श्री सिंह के प्रतिनिधि शिवा सिंह ने अमरशहीदों के परिजनों व उपस्थित गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र व जनपद जौनपुर के सम्मान व गौरव को बढ़ाने के लिए जब–जब आवश्यकता होगी तो सहयोग किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

मानसून में इस तरह सुखाएं अपने गीले कपड़े, नहीं पड़ेगी वॉशिंग मशीन ड्रायर की जरूरत

मानसून में कपड़े सुखाना एक मुश्किल काम है। इस मौसम के दौरान कई दिनों तक धूप नहीं निकलती है, जिसके कारण कपड़े ठीक से नहीं सूखते और इनमें से बदबू आने लगती है। वैसे कुछ लोग तो वॉशिंग मशीन ड्रायर की मदद से कपड़े सुखाकर इस समस्या से छुटकारा पा लेते हैं, लेकिन जिनके पास ड्रायर नहीं है, उनके लिए मानसून में कपड़े सुखाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही लोगों के लिए आज हम कुछ टिप्स लेकर आए हैं।

कपड़ों के लिए स्टैंड का करें इस्तेमाल

कपड़े सुखाने के स्टैंड की मदद से आप मानसून के दौरान अपने गीले कपड़ों को आसानी से सुखा सकते हैं। दरअसल, इस घर के अंदर किसी भी कमरे में रखा जा सकता है और इसमें कपड़ों को टांगकर पंखे के नीचे आसानी से सुखाया जा सकता है। बस जब भी आपको लगे कि धूप निकलने की कोई संभावना नहीं है तो कपड़े धोने के बाद उन्हें कपड़े के स्टैंड पर लटका दें ताकि यह पूरी तरह से सूख जाएं।

घर की अंदरूनी नमी को करें नियंत्रितः मानसून के दौरान घर के अंदर काफी नमी हो जाती है, जिसके कारण आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है और कमरे में सुखाएं गए गीले कपड़ों को सूखने में काफी समय लग सकता है। वहीं, अगर घर के अंदर की नमी नियंत्रण में होगी तो यह आपकी सेहत के लिए अच्छा है और इससे गीले कपड़े भी जल्दी सूखेंगे। इसके लिए बेहतर होगा कि आप अपने घर में एक एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। आयरन का करें इस्तेमालः आमतौर पर आयरन का इस्तेमाल सूखे कपड़ों से सिलवटें हटाने के लिए किया जाता है, लेकिन जब बारिश में कपड़े सुखाने हों तो भी आप आयरन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से कमरे में सुखाएं गए कपड़ों में बची हुई नमी कम हो जाएगी। अगर आपकी कोई जींस या फिर कोई भी मोटा कपड़ा कहीं से गीला रहा गया है तो आप उन्हें आयरन करके आसानी से सुखा सकते हैं।

हेयर ड्रायर आएगा काम

अगर आपकी आयरन खराब है तो आप अपने हल्के गीले कपड़ों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कपड़े को हैंगर में टांग दें और फिर कपड़े पर धीरे–धीरे हेयर ड्रायर को फिराएं। ध्यान रखें कि हेयर ड्रायर हीट मोड पर होना चाहिए न कि कोल्ड मोड पर क्योंकि कोल्ड मोड से कपड़े को सुखने में काफी समय लग सकता है। यकीनन इससे आपके कपड़े कुछ ही मिनटों में सूख जाएंगें।

इस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की फिल्म चेहरे

अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म 'चेहरे' 27 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। फिल्म का निर्देशन रूमी जाफरी ने किया है और इसका निर्माण 'आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स' और 'सरस्वती एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले किया गया है। पंडित ने एक बयान में कहा, ''फिल्म 'चेहरे' जुलाई 2020 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसकी रिलीज आगे बढ़ा दी गई। इसके बाद 30 अप्रैल को इसे रिलीज होना था, लेकिन कोविड–19 की दूसरी लहर के कारण एक बार फिर रिलीज टाल दी गई। टीम ने काफी मेहनत की है और हम हमेशा चाहते थे कि फिल्म सिनेमाघर में ही रिलीज हो...।'' मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित देश के अधिकांश हिस्सों में सिनेमाघर खुल गए हैं। महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में सिनेमाघरों को फिर से खोलने के लिए अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। फिल्म में अन्नू कपूर, क्रिस्टल डिसूजा, धृतिमान चक्रवर्ती, रघुबीर यादव, सिद्धांत कपूर और रिया चक्रवर्ती ने भी अभिनय किया है।

ईशा देओल ने फ्लॉन्ट किया कमर पर बना टैटू

एक्ट्रेस ईशा देओल अक्सर अपने 1.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने प्रशंसकों को चौंका दिया जब उन्होंने एक स्टाइलिश पोस्ट में कमर के बड़े टैटू का खुलासा किया। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पहली बार 2009 में स्याही लगाई थी लेकिन कई सालों तक इसे जनता से छुपाया। ईशा के इस खुलासे से प्रशंसकों ने उनके पोस्ट की तारीफों की बौछार कर दी। तस्वीर में ईशा को गुलाबी रंग का क्रोकेट टॉप और व्हाइट डिस्ट्रेस्ड डेनिम पहने देखा जा सकता है। हालांकि तस्वीर में टैटू पूरी तरह से दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन इसके बड़े आकार का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने लिखा, श्हां, आपने सही अनुमान लगाया! यह असली है–2009 पर स्याही। उसने टैटू स्टूडियो और कलाकार को भी धन्यवाद दिया। ईशा भी आए दिन अपने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वह एक फिटनेस उत्साही हैं जो अक्सर प्रेरक कसरत और योग वीडियो साझा करती हैं। काम के मोर्चे पर, हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि ईशा डिज्नी हॉटस्टार के शो रुद्ररू द एज ऑफ डार्कनेस में युवा सह–कलाकार अजय देवगन के साथ फिर से जुड़ेंगी। यह शो इदरीस एल्बा अभिनीत लूथर का रीमेक है, उसने इस खबर की पुष्टि करने के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, आप सभी के साथ साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अजय के सामने आर्क लाइट्स के सामने लौट रही हूं, जो एक शानदार सह– मुझे कई फिल्मों में, वेब श्रृंखला में–रुद्र–द एज ऑफ डार्कनेस। ईशा को हाल ही में शॉर्ट फिल्म एक दुआ में भी देखा गया था। अभिनेत्री फिल्म के लिए निर्माता भी बनीं। 2012 में भरत तख्तानी से शादी के बाद और अपनी बेटियों राध्या और मिराया के जन्म के बाद ईशा ने अभिनय से ब्रेक ले लिया था।

आशा नेगी ओटीटी की दुनिया में आकर खुश

टीवी पर करीब नौ साल बिताने के बाद ऐक्ट्रेस आशा नेगी ने अब ओटीटी प्लैटफॉर्म्स का रुख किया है। 2019 में आशा ऑल्ट बालाजी की सीरीज श्बारिशश्य में शरमन जोशी के साथ नजर आईं। इसके बाद वह श्अभय 2श्य, श्लव का पंगाश्य और श्ख्वाबों के परिंदेश्य में अहम किरदारों में दिखीं। 2020 में वह नेटफ्लिक्स की फिल्म श्लूडोश्य में अभिषेक बच्चन की पत्नी के रोल में नजर आईं और अब वह डिज्नी प्लस हॉटस्टार वीआईपी पर 9 जुलाई को रिलीज हुई थ्रिलर फिल्म श्कॉलर बॉम्बेश्य में जिम्मी शेरगिल के साथ लीड रोल में हैं। आशा नेगी ओटीटी की दुनिया में आकर खुश और उत्साहित हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि टीवी और ओटीटी प्लैटफॉर्म्स के लिए काम करने में क्या अंतर है तो उन्होंने कहा, श्टीवी और ओटीटी में बहुत फर्क है। टेलिविजन में हम लोगों को बहुत जल्दी–जल्दी काम करना पड़ता है। आज का टेलिकास्ट है या कल का टेलिकास्ट है और उस वजह से परफॉर्मेंस पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। चलिटी वर्क पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ओटीटी पर तसल्ली से काम होता है। आपने एक प्रोजेक्ट किया और वह एक–दो महीनों में खत्म हो गया। फिर आप आगे बढ़ जाते हैं, कोई नया कैरक्टर, कोई नया शो, कोई नई फिल्म करते हैं।श्य आशा के लिए अब टीवी प्राथमिकता नहीं है। वह कहती हैं, श्अब मुझे नहीं लगता कि मेरे अंदर इतना धैर्य बचा है कि 2–3 साल तक कोई टीवी शो करती रहूं। हां, जो लोग आर्थिक सुरक्षा चाहते हैं, उनके लिए टेलिविजन बहुत बढिया माध्यम है। टीवी शो जितना लंबा चल रहा है, उतना अच्छा है। अब मैं रचनात्मक रूप से ज्यादा संतुष्ट होना चाहती हूं। मुझे लगता है कि वेब मीडियम अब फिल्म और टेलिविजन के बीच एक खूबसूरत ब्रिज की तरह है क्योंकि वेब पर कोई टेलिविजन ऐक्टर और फिल्म ऐक्टर नहीं है। वेब में सभी बस ऐक्टर हैं।श्य श्कॉलर बॉम्बेश्य में अपने काम और फिल्म के बैकग्राउंड के बारे में बात करते हुए आशा ने कहा, श्हिमाचल प्रदेश का एक छोटा सा गांव है जहां पर हॉस्टेज सिचुएशन आई है। ऐसी सिचुएशन गांववालों और हम सब पुलिसवालों ने कभी नहीं देखी। पहाड़ का छोटा सा गांव है जहां क्राइम बामुश्किल होता है। मेरे डायरेक्टर ने मुझसे यही कहा कि गन के साथ ज्यादा कॉन्फिडेंट नहीं दिखना है क्योंकि इस बंदी ने आज से पहले गन चलाई ही नहीं होती है। कोई क्राइम नहीं है, इसलिए लाठियों से ही अपना काम कर लेते हैं। कभी गन की जरूरत ही नहीं पड़ी। मुझे अपने किरदार के जरिए कुछ ऐसा भी दिखाना पड़ा कि गन वगैरह इस्तेमाल करने में कच्ची हूं। कोई लेडी कॉप पहली बार गन यूज करे तो कैसे करेगी? बिल्कुल उस तरह। इन सब बातों का बहुत ध्यान रखना पड़ा। जिमी सर मेरे साथ हैं जो एक्स कॉप रह चुके हैं। मुझे इस तरह का कैरक्टर काफी टाइम से करना था, स्टंट करने थे। इस फिल्म में मेरी ये सब ख्वाहिशें पूरी हुई हैं।श्य

इस साल रिलीज नहीं होगी सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म मिशन मजनू?

सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों फिल्म शेरशाह के प्रमोशन में जुटे हैं। आने वाले दिनों में वह कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। मिशन मजनू भी उनकी आने वाली बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनके साथ साउथ की जानी–मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ उनकी जोड़ी बनी है। हाल ही में सिद्धार्थ ने अपनी इस फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हम अब भी मिशन मजनू की शूटिंग कर रहे हैं। ये अभी तक पूरी नहीं हुई है। शेरशाह के पूरे होने के बाद मैं इस फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करूंगा। उन्होंने कहा, मौजूदा माहौल में चीजें बहुत धीमी गति से चल रही हैं। फिलहाल पहले शूटिंग खत्म हो जाए तो हमें आइडिया मिल जाएगा, लेकिन इस साल फिल्म रिलीज होना मुश्किल है। मिशन मजनू एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ एक रॉ एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। शांतनु बागची इसका निर्देशन कर रहे हैं। इस फिल्म से साउथ की मशहूर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। रॉनी स्क्रूवाला और अमर बुटाला मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। इसकी कहानी परवेज शेख, असीम अरोरा और सुमित बठेजा ने लिखी है। फिल्म में शारिब हाशमी और कुमुद मिश्रा भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ ने पिछले साल फिल्म मिशन मजनू का ऐलान करते हुए इसका पहला पोस्टर और अपना लुक भी शेयर किया था। पोस्टर में वह रेट्रो लुक में दिखाई दे रहे थे। उन्होंने हाथ में पिस्तौल थामी हुई थी। इसके साथ सिद्धार्थ ने लिखा, दुश्मनों की हदों में हमारी इंटेलिजेंस एजेंसी द्वारा अंजाम दिया गया सबसे खतरनाक कोवर्ट ऑपरेशन। पेश है मिशन मजनू का पहला लुक। बता दें कि यह फिल्म 70 के दशक की एक सच्ची घटना से प्रेरित होगी। सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म शेरशाह में नजर आएंगे। इसमें अभिनेत्री कियारा आडवाणी उनके साथ अहम भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म कारगिल युद्ध के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित है। फिज्म 12 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। इसके अलावा वह अजय देवगन और अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म थैंक गॉड में भी नजर आने वाले हैं। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह भी दिखाई देंगी।

रूखे और फटे गालों की समस्या है तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगी राहत

रूखे और फटे गालों की समस्या न सिर्फ कष्टदायक होती है, बल्कि इससे चेहरे की खूबसूरती भी प्रभावित होती है। यह समस्या चेहरे को ठीक से मॉइश्चराइज न करने, सूरज की किरणों के सीधे प्रभाव में आने, पानी के कम सेवन और मौसम में बदलाव आदि कई कारणों से हो सकती है। आइए आज आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने रूखे और फटे गालों को जल्द ठीक करके इन्हें खूबसूरत बना सकते हैं।

शहद करेगा मददः शहद कई ऐसे औषधीय गुणों से समृद्ध होता है जो त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइज करने और इसके घावों को जल्द भरने में सहायक साबित हो सकते हैं। फटे और रूखे गालों को ठीक करने के लिए पहले चेहरे को धोएं और फिर इसे तौलिये से पोंछकर गालों पर शहद लगाएं। अब आधे घंटे बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें। अच्छे परिणाम के लिए रोजाना इस उपाय को दोहराएं। दूध भी है प्रभावीः दूध लैक्टिक एसिड और अल्फा–हाइड्रोक्सी एसिड जैसे गुणों से भरपूर होता है। ये गुण फटे और रूखे गालों को धीरे–धीरे ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये गालों पर चमक लाने में भी सहायक हो सकते हैं। फटे और रूखे गालों से राहत पाने के लिए गालों पर रूई से दूध लगाएं और फिर जब यह सूख जाए तो गालों को साफ पानी से धोकर तौलिये से पोंछे। इसके बाद गालों पर मॉइश्चराइजर लगाएं। नारियल के तेल से करें मसाजः नारियल के तेल में फैटी एसिड और विटामिन–ई मौजूद होते हैं जो गालों को हाइड्रेट रखने के साथ–साथ इन्हें मॉइश्चराइज भी रखते हैं। फटे और रूखे गालों को ठीक करने के लिए नारियल के तेल की कुछ बूंदें लें और इन्हें अपने गालों पर तब तक रगड़ते रहें जब तक कि ये गालों में पूरी तरह से समा न जाए। इस प्रक्रिया को नियमित रूप से दिन में कम से कम एक बार करें। पर्याप्त मात्रा में करें पानी का सेवनः रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन कई समस्याओं से राहत दिला सकता है। फटे और रूखे गालों से राहत दिलाने में भी पानी का सेवन लाभदायक साबित हो सकता है। इसलिए जब आप फटे और रूखे गालों की समस्या का सामना करें तो ढेर सारा पानी पीना शुरु कर दें क्योंकि डिहाइड्रेशन भी फटे और रूखे गालों का एक कारण हो सकता है। पानी का सेवन डिहाइड्रेशन को दूर करके गालों को खूबसूरत बना सकता है।